दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665

अंक 02/102 | जयपुर | 01 मई /2025 | गुरुवार | मूल्य रु 5 | पृष्ठ: 04

पीएम आवास पर एक घंटे हाईलेवल मीटिंग हुई

भारत ने पाकिस्तान के लिए एयरस्पेस बंद किया: 23 मई तक पाकिस्तानी फ्लाइट नहीं उड़ सकेंगी

नई दिल्ली।

भारत ने बुधवार देर रात पाकिस्तान के लिए अपना एयरबेस बंद कर दिया। यानी पाकिस्तान की सभी तरह की फ्लाइट 23 मई तक भारतीय एयरस्पेस में नहीं उड़ सकेंगी।

भारत ने पाकिस्तान के लिए नोटिस टु एयरमैन जारी किया है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई फ्लाइट इंडियन जोन में आती है, तो उस पर एक्शन लिया जाएगा। पाकिस्तान ने 23 अप्रैल को भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का फैसला लिया था।

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी की हाई लेवल मीटिंग के बाद आया। यह मीटिंग एक घंटे चली। हालांकि यह नहीं बताया गया कि एयरस्पेस बंद करने का फैसला इसी बैठक में लिया गया।

एयरस्पेस बंद करने से पाकिस्तान की इकॉनोमी पर बड़ा असर पड़ेगा। पाकिस्तान को थाईलैंड, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका आदि देशों में अपने विमान भेजने के लिए काफी लंबा रूट लेना होगा। इससे वहां की हवाई यात्रा महंगी होगी।

राहुल बोले- मोदी एक्शन लें, समय बर्बाद न करें

इससे पहले पहलगाम हमले पर राहुल गांधी ने बुधवार को कहा, 'मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि जिन लोगों ने यह किया, वे जहां भी हैं, उन्हें भुगतना होगा। सरकार को विपक्ष का 100% समर्थन है। नरेंद्र मोदी को एक्शन लेना होगा और वह भी सख्त। सरकार को समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।'

पहलगाम हमले को 8 दिन हो चुके हैं। इस हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी। 10 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए थे।

भारत और पाकिस्तान के मिलिट्री ऑपरेशन के महानिदेशकों ने हॉटलाइन पर बातचीत की और पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे के संघर्ष विराम उल्लंघन पर चर्चा की। भारत ने नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना द्वारा बिना उकसावे के किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन के खिलाफ पाकिस्तान को चेतावनी दी।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है।

आजादी के बाद देश में पहली बार जाति जनगणना होगी

बिहार चुनाव से पहले केंद्र का फैसला, सितंबर से शुरुआत हो सकती है, आंकड़े एक साल बाद आएंगे

नई दिल्ली। देश में आजादी के बाद पहली बार जाति जनगणना कराई जाएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को जाति जनगणना को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसे मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। देश में इसी साल के आखिर में बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जाति जनगणना की शुरुआत सितंबर में की जा सकती है। हालांकि जनगणना की प्रोसेस पूरी होने में एक साल लगेगा। ऐसे में जनगणना के अंतिम आंकड़े 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में मिल सकेंगे। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था। जनगणना एक्ट 1948 में एससी- एसटी की गणना का प्रावधान है। ओबीसी की गणना के लिए इसमें संशोधन करना होगा। इससे ओबीसी की 2,650 जातियों के आंकड़े सामने आएंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार, मार्च 2023 तक 1,270 एससी, 748 एसटी जातियां हैं।

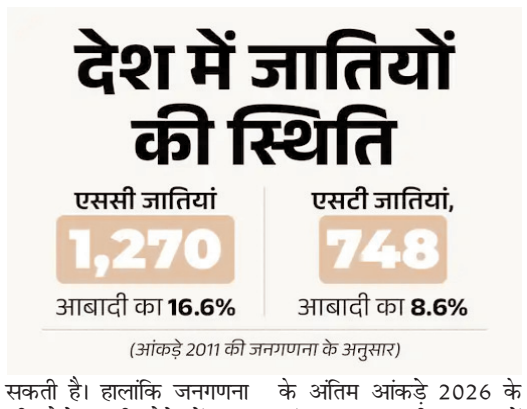

जनगणना फॉर्म में 29 कॉलम, केवल SC-ST की डिटेल

2011 तक जनगणना फॉर्म में कुल 29 कॉलम होते थे। इनमें नाम, पता, व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार और माइग्रेशन जैसे सवालों के साथ केवल एससी और एसटी कैटेगरी से ताल्लुक रखने को रिकॉर्ड किया जाता था। अब जाति जनगणना के लिए इसमें एक्स्ट्रा कॉलम जोड़े जा सकते हैं।

बीजेपी- आरएसएस कैसे भी करके निकाय, पंचायत चुनाव जीतना चाहते हैं: गहलोत

बोले- पुनर्गठन में सरकार तोड़ रही सारे नियम-कानून, कलेक्टरों ने हाथ खड़े किए

जयपुर। राजस्थान में पंचायतीराज और शहरी निकायों के पुनर्गठन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार पर जमकर धांधली करने और नियम ताक पर रखने का आरोप लगाया है। गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से पुनर्गठन में नियम-कानून तोड़ने का आरोप लगाते हुए बीजेपी और सरकार पर सियासी पलटवार किया है। उन्होंने आरएसएस और बीजेपी पर कैसे भी करके पंचायतीराज और शहरी निकायों के चुनाव जीतने के लिए गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है।

कलेक्टर कुछ नहीं कर पा रहे- गहलोत ने एक्स पर लिखा है- राजस्थान की भाजपा सरकार मनमाने तरीके से पंचायतीराज और नगरीय निकायों के पुनर्गठन कर रही है। मैं ऐसा पहली बार देख रहा हूं कि सारे नियम-कानून तोड़े जा रहे हैं। कलेक्टरों ने जनता की आपत्तियां दर्ज कर आगे कार्रवाई करने की बजाय हाथ खड़े कर दिए हैं। कलेक्टर कह रहे हैं कि हम कुछ नहीं कर पाएंगे। सारा काम राज्य सरकार के स्तर से हो रहा है।

भारत के 52वें सीजेआई होंगे जस्टिस बीआर गवई, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) होंगे। राष्ट्रपति ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। वह 14 मई को मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे। 13 जून को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जस्टिस गवई उनकी जगह लेंगे। जस्टिस गवई देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश हैं। कानून मंत्रालय ने जस्टिस गवई की भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनका नाम 16 अप्रैल को सीजेआई खन्ना द्वारा केंद्र सरकार को सिफारिश के रूप में भेजा गया था। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने का होगा और वह 23 दिसंबर को 65 वर्ष की आयु पूरी करने पर सेवानिवृत्त होंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल बोले-

2047 तक देश में 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

देश ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के पायदान पर पहुंच गया है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोकस विकसित भारत के संकल्प को साकार करते हुए परमाणु ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना है। 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल, देशभर में सात स्थानों पर 25 परमाणु संयंत्र संचालित हैं। केंद्र सरकार परमाणु संयंत्रों को बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ रही है। मंगलवार को केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई संसद की परामर्शदात्री समिति की बैठक में देश में परमाणु विद्युत उत्पादन के विकास का रोडमैप तैयार हुआ है। गुजरात में आयोजित हुई संसद की परामर्शदात्री समिति की बैठक में सांसदों ने परमाणु ऊर्जा के प्रयोग में तेजी लाने और परियोजनाओं के क्रियान्वयन, प्रौद्योगिकी विविधिकरण के साथ इको-सिस्टम बनाने का सुझाव दिया।

2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने का लक्ष्य है। गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन की हिस्सेदारी बढ़ाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोकस है। बिजली क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा-सम्बंधित उत्सर्जन में 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है, इसलिए परमाणु ऊर्जा, गैर-जीवाश्म और स्थिर ऊर्जा स्रोत होने के चलते भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राष्ट्रीय शोक दिवस...

वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा में राष्ट्रीय शोक दिवस समारोह के दौरान एक स्मारक ग्लास पैनल के सामने गुलाब रखती एक महिला। कनाडा में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय शोक दिवस मनाया जाता है, ताकि उन लोगों की याद में शोक मनाया जा सके, जिन्होंने नौकरी के दौरान अपनी जान गंवाई है, चोट या बीमारी का सामना किया है, या काम से संबंधित किसी त्रासदी का सामना किया है।

◆ ब्रीफ बॉक्स

2024 में सुंदर पिचाई को गूगल से मिली 91.42 करोड़ रुपए सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 2024 में 10.73 मिलियन डॉलर यानी 91.42 करोड़ रुपए सैलरी ली है। यह उनकी 2023 की सैलरी से करीब 22 प्रतिशत ज्यादा है। 2023 में उन्होंने 8.8 मिलियन डॉलर सैलरी (74.98 करोड़ रुपए) ली थी। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के 2025 के प्रॉक्सी स्टेटमेंट में इस बात की जानकारी दी गई है। वहीं 2022 में सुंदर पिचाई को 226 मिलियन डॉलर यानी 1,925 करोड़ रुपए तनख्वाह मिली थी, जिसमें परफॉर्मेंस गोल्स से जुड़े स्टॉक ग्रांट भी शामिल थे।

1,178 रुपए बढ़कर 96,286 पर पहुंचा गोल्ड, चांदी भी बढ़ी

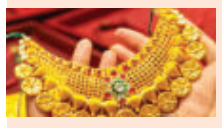

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी में मंगलवार 29 अप्रैल को बढ़त देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,178 बढ़कर 96,286 पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 95,108 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत मंगलवार को 55 बढ़कर 96,481 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 96,426 प्रति किलो था।

शेयर बाजार में सपाट क्लोजिंग; सेंसेक्स 70 अंक चढ़कर बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी बड़ी कंपनियों में तीव्र खरीदारी तथा निरंतर विदेशी पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार को समर्थन मिला। लेकिन, भू-राजनीतिक तनाव के कारण जारी चिंता के बीच निवेशकों ने सतर्कता दिखाई। रुपया डॉलर के मुकाबले 2 पैसे कमजोर होकर 85.25 के स्तर पर बंद हुआ।

महबूबा बोलीं- पाकिस्तानियों को वापस भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करे मोदी सरकार

जम्मू, एजेंसी

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को सरकार से उन पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करने की गुजारिश की, जिन्होंने भारतीयों से शादी की है और कई वर्षों से यहां रह रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। मुफ्ती ने एक्स पर कहा, हाल ही में भारत से सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के सरकारी निर्देश ने गंभीर मानवीय चिंताएं पैदा की हैं, खास तौर पर जम्मू कश्मीर में। इससे प्रभावित होने वाली कई महिलाएं हैं, जो 30-40 साल पहले भारत आई थीं, भारतीय नागरिकों से शादी की, परिवार बसाया और लंबे समय से हमारे समाज का हिस्सा रही हैं।

पाकिस्तान के लोगों को निर्वासित करना अमानवीय होगा... उन्होंने कहा कि दशकों से भारत में शांतिपूर्वक रह रहे लोगों को निर्वासित करना अमानवीय होगा और इससे उनके परिवारों पर गहरा भावनात्मक संकट आएगा। मुफ्ती ने कहा, हम सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हैं। पूर्व आतंकवादियों से विवाहित कई पाकिस्तानी महिलाएं 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की नीति के तहत कश्मीर आ गईं।

पहलगाम हमले पर भड़के पवन कल्याण... बोले

पाकिस्तान के पक्ष में बोलना बर्दाश्त नहीं करेंगे

हैदराबाद, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मंगलवार को कांग्रेस नेताओं को चेताते हुए कहा कि कश्मीर के पहलगाम में 26 नागरिकों की नृशंस हत्या के बाद पाकिस्तान के पक्ष में बोलना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजनीतिक फायदे के लिए आतंकवाद की बात करना शर्मनाक... आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम ने कहा कि कश्मीर हमारा है। राजनीतिक फायदे के लिए आतंकवाद के बारे में बात करना शर्मनाक है। पवन कल्याण ने हालांकि किसी नेता के नाम का जिक्र नहीं किया और कहा सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए राष्ट्रीय एकता और आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश भारत विरोधी भावनाओं या आतंकवाद का समर्थन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेगा। कल्याण ने कहा कि पहलगाम हमले ने देश को गहरा आघात पहुंचाया है और इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

पवन कल्याण ने सुझाव दिया कि इस तरह की हिंसा का समर्थन करने वाले कुछ कांग्रेस नेताओं को भारत छोड़कर पाकिस्तान में बस जाना चाहिए। आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए पवन कल्याण ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में रहकर पाकिस्तान का समर्थन करना बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है। जनसेना पार्टी ने आंध्र प्रदेश के निवासी मधुसूदन राव के परिवार को 50 लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की, जो पहलगाम हमले के दौरान मारे गए लोगों में से एक थे।

उमरबन में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होंगे सीएम

अनमोल संदेश, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव धार जिले के उमरबन में 30 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह आयोजन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री धार में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी करेंगे, जिनकी अनुमानित लागत 2140.26 करोड़ रुपये है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा धार ज़िले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तथा सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह उपस्थित रहेंगे।

कश्मीर के बडगाम में सीआरपीएफ का वाहन खाई में गिरा, 10 जवान घायल

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) का वाहन खाई में गिर गया। हादसे में 10 जवान घायल हुए हैं। घटना मंगलवार दोपहर दूधपथरी इलाके में तंगनार के पास हुई। सीआरपीएफ की 181 बटालियन का वाहन बीरवाह के हरदु पंजू में विशेष अभियान समूह (एसओजी) कैंप में तैनात सुरक्षाकर्मियों को ले जा रहा था।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर एक्शन, स्टे की याचिका खारिज की

अहमदाबाद, एजेंसी

अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र में मंगलवार से बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया। इस मेगा डिमॉलिशन में 50 बुलडोजर और 36 डंपर लगाए गए। हाईकोर्ट में डिमॉलिशन पर स्टे लगाने की याचिका दाखिल की गई थी, जो खारिज हो गई। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यहां रहने वालों के बांग्लादेशी होने का कोई ठोस सबूत नहीं हैं।

अब नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी... सीएम रेखा ने लिया बड़ा फैसला

दिल्ली में फीस एक्ट को मिली मंजूरी, अब पैरेंट्स को पावर

नई दिल्ली, एजेंसी

बहुत जल्दी अभिभावकों को स्कूलों के मनमानी तरीके से फीस बढ़ाने के रवैये से निजात मिलेगी। दिल्ली सरकार के कैबिनेट ने फीस बढोतरी के खिलाफ कच्चा मसौदा तैयार किया है। जल्द ही विधानसभा की एक अरजेंट बैठक बुलाकर इसे कानून की शक्ल दी जाएगी।

मनमानी फीस पर जुर्माना

30-45 दिन में कमेटी फीस का फैसला करेगी, इसके बाद ये जिला स्तरीय कमेटी और फिर राज्य कमेटी के पास जाएगा। अक्तूबर-नवम्बर तक फीस कितनी होगी, पैरेंट्स को पता चल जाएगा। जो स्कूल कमेटी के निर्णय के हिसाब से फीस नहीं लेगा, उस पर 1-10 लाख तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

बच्चों की भविष्य, भाजपा की प्राथमिकता

शिक्षा मंत्री ने कहा, 1973 के एक्ट में फीस बढ़ोतरी के खिलाफ कोई प्रावधान नहीं था, पिछली सरकार ने इस पर कोई निर्णय नहीं लिया। बच्चों का भविष्य भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। किसी बच्चे को फीस नहीं देने पर बाहर बिठाया तो 50 हजार प्रति बच्चे के हिसाब से स्कूल को जुर्माना देना होगा। हमने आज ये कैबिनेट में ये बिल पास किया है। ये जल्द कानून बनेगा और 1 अप्रैल 2025 से लागू माना जाएगा।

दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह जानकारी दी है। 31 जुलाई को फीस तय करके 15 सितम्बर को इसे स्कूल लेबल कमेटी में लाना होगा।

निर्णायक भूमिका निभाएंगे पालक... सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, इस एक्ट में पैरेंट्स को इतनी पावर मिली है कि वे अपने बच्चों का भविष्य करने में खुद से निर्णायक भूमिका निभाएंगे। विधानसभा में इसके लिए तत्काल एक बैठक बुलाई जाएगी।

संसद सुरक्षा चूक: 7 मई को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट 2023 में संसद सुरक्षा में हुई चूक मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों की जमानत याचिका पर 7 मई को सुनवाई करेगा। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच मंगलवार को इसकी सुनवाई करने वाली थी। सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को बहस करने थी लेकिन वे उपस्थित नहीं हो सके। इसके बाद सरकार की ओर से स्टे की अपील स्वीकार करते हुए सुनवाई की नई तारीख दे दी। कोर्ट महिला आरोपी नीलम आज़ाद और महेश कुमावत की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करेगा।

मजदूरों के महत्व को दशार्ता मजदूर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

मजदूर दिवस सिर्फ एक अवकाश का दिन न होकर श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का दिन है। हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनायेगा।

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दशार्ने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरूआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने 'काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

हमारे देश के मजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

देश के कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।

मजदूर दिवस सिर्फ एक अवकाश का दिन न होकर श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का दिन है। हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनायेगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

न जिंदगी रुके न पर्यटन

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने 48 पर्यटन स्थलों को अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि यह फैसला सुरक्षा समीक्षा और आतंकवादियों के विरुद्धचल रहे तलाशी अभियानों के मद्देनजर किया गया है। जिन पर्यटन स्थलों को बंद किया गया है, उनमें गुरेज घाटी, दूधपतरी, अहरबल, कौसरनाग, कुपवाड़ा, पुलवामा, अनंतनाग, गांदरबल, बारामूला और श्रीनगर के कुछ पर्यटन स्थल हैं। लेकिन युद्ध रणनीति यह भी कहती है कि पहलगाम की जघण्य घटना के बाद पर्यटकों के साहस को टूटने नहीं देना चाहिए। यह संदेश किसी भी तरह से नहीं जाना चाहिए कि भारत सरकार, जम्मू-कश्मीर की सरकार, भारत के लोग और विशेषकर कश्मीर के लोग पहलगाम की घटना से आतंकित हो गएहैं। संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कश्मीर धीरे-धीरे शांत हो रहा था और यहां पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक पहलगाम में पर्यटकों की चहल-पहल काफी बढ़ गई थी। इसके कारण वहां के स्थानीय लोगों ने होटल और रेस्टोरेंट्स में

अच्छा-खासा निवेश किया है। यहां कोई उद्योग-धंधा नहीं है। पर्यटन ही अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्रोत है लेकिन 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद पर्यटक यहां से पलायन करने लगे हैं। अधिकांश होटल खाली हो गए हैं। इसका कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर बहुत बुरा असर पड़.रहा है। गुलमर्ग और सोनमर्ग से भी पर्यटक पलायन करने लगे हैं। पिछले वर्ष जम्मू-कश्मीर में करीब ढ़ाई करोड़.पर्यटक आए थे जिनमें 50 हजार से ज्यादा विदेशी सैलानी थे। इसलिए केंद्र और राज्य सरकार, दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि पर्यटन के लिहाज से भारत के मुकुट कश्मीर का आकर्षण बना रहे। जहां एक ओर उछल-कूद मचाने वाले लोगों के कारण देश का सौहार्द बिगड़क्ष्ने की आशंका को घटित नहीं होने देना चाहिए तो दूसरी ओर कश्मीर में कश्मीर लोगों के सहयोग से सुरक्षा को और अधिक चाक-चौबंद करके पर्यटन में रोकावट और गिरावट को रोकने की हर संभव कोशिश करनी चाहिए। आतंकियों को जवाब हमेशा गोलियों से ही नहीं दिया जाता। उनकी आकांक्षाओं और उद्देश्यों को विफल करके भी दिया जाता है। भारत सरकार के लिए यह भी एक युद्धका मोर्चा है जिसे हर हाल में उसे जीतना ही होगा।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

ललित गर्ग

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढ़कने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढ़ाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरू कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरू कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पदार्पाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया। लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है।

निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूंबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े है।

दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसल्ले वाले महानायक है।

पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बार चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते वह पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है।

पाकिस्तान का एकमात्र बड़ा सहारा चीन भी उससे दूरी बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पाकिस्तान को वह हमेशा भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी। मोदी सरकार के लिए यह दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाकई गंभीर है। जैसे-जैसे पर्यटकों के शव उनके परिवारों तक पहुंच रहे हैं और उनके अंतिम संस्कार के भावुक एवं मार्मिक दृश्य प्रसारित हो रहे हैं- सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। लोगों का गुस्सा खासतौर पर इस तथ्य से और बढ़ गया है कि आतंकवादियों ने पहले पुरुषों का धर्म जानना चाहा और उन्हें उनके परिवार के सामने गोली मार दी।

पहलगाम घटना ने कश्मीर की रोजी-रोटी पर आंच पहुंचायी है, वहां की शांति को लीला है। यही कारण है कि पहलगाम हत्याकांड के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के आम लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन किया है। राज्य में बंद रहा, लोगों ने विरोध मार्च निकाले और यहां तक कि कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने विरोध के तौर पर अपने मुखपृष्ठ को स्याह रंग से पोत दिया। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। क्योंकि तब हम केवल उस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों का मकसद है- भारत को विभाजित करना। भारत की एकता, कश्मीर की शांति एवं विकास एवं आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिये अब पाकिस्तान को केवल सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनयिक एवं वैश्विक दबाव से पंगु बनाना होगा। पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। सिंध एवं बलुचिस्तान अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं, आजाद कश्मीर को भारत में मिलाने की जरूरत है। इस रणनीतिक एवं कूटनीतिज्ञ उद्देश्य के लिये एक दूरगामी, बहुआयामी एवं निर्णायक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसकी पहल लक्षित सर्जिकल स्ट्राइक और प्रमुख आतंकी सरगनाओं को मिटाकर आतंकी केन्द्रों को ध्वस्त करके ही हो सकती है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

विज्ञान संचार हेतु वैज्ञानिक का निरंतरता जरुरी

संजय गोस्वामी

आज अधिक से अधिक हिंदी विज्ञान संस्थानो का कभी बुरा दौर चल रहा है जो चिंता की बात है अच्छे समय में सब साथ रहते हैं और बुरा समय में सब भागने लगते हैं या मजाक का पात्र बन जाते हैं हिंदी विज्ञान की सबसे पुरानी संस्थान, विज्ञान परिषद, प्रयाग, प्रयागराज की स्थापना सन 1935में हुई और उसकी पत्रिका विज्ञान शायद 2साल बाद 1937 में प्रकाशित हुई दरअसल हिंदी में सबसे पुरानी विज्ञान की पत्रिका विज्ञान ही थी जो आजादी के बाद से अब तक चल रही है उसका भी कोरोना के बाद आर्थिक संकट में घिर गई और लोगों से मदद मांगकर पत्रिका को 2और 3अंक साथ मिलाकर चलानी पड़ी, बाद में विज्ञान परिषद, प्रयाग जो इलाहाबाद विश्वविद्यालय,प्रयागराज के जमीन पर बनी थी वो कहीं से फंड न मिलने के कारण, हॉल व जो कमरा बनवाया था उसे किसी कार्यक्रम में पैसा लेकर बुक करने की नौबत आई, 2013 में विज्ञान परिषद का शताब्दी सामारोह में बहुत से विज्ञान लेखकों को सम्मान मिला जिन्होंने सहायता राशि भी दि जिसमें मुझे भी बुलाया गया उससे पहले उस समय के विज्ञान और प्रोधोगिकी विभाग के सचिव ने विज्ञान परिषद का दौरा किया और परिषद के शताब्दी समारोह हेतु 1करोड़ की राशि को स्वीकृति दि और बहुत धूमधाम से शताब्दी सामारोह हुआ जिसमें शुरूआत में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम साहब ने उसका उद्घघाटन किया, जिसमें जाने माने परमाणु वैज्ञानिक, और भारत सरकार के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार डॉ (स्व) आर चिदमरम सर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे और विज्ञान परिषद के प्रधानमंत्री डॉ शिवगोपाल मिश्र ने उनका स्वागत किया और अतिथि के कर कमलों द्वारा विज्ञान परिषद की स्मारिका व पुस्तक का विमोचन हुआ इधर हिंदी विज्ञान में एक और नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है और हाल ही में महान वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम के निधन पर वैज्ञानिक का जनवरी -मार्च 25 का अंक डॉ चिदंबरम स्मृति विशेषाँक निकाल कर श्रद्धांजलि अर्पित की

अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों को पूर्ण कर सकती 11मई 25को 10:30बजे रविवार, को नई कार्यकारिणी का गठन हेतु 11 मई 25 को अनुशक्तिनगर में विशेष आम सभा बुलाई गई है आम सभा में चुनाव कार्यकारिणी समिति 25-27 हेतु सभी आजीवन सदस्यों को सचिव श्री सत्य प्रभात प्रभाकर व श्री राजेश कुमार सह सचिव ने परिषद परिषद के आगे आने वाले कार्यक्रम के बारे में बात करेंगे , बाद में नई संपादक मंडल व व्यवस्थापन मंडल के सदस्य बनाए जायेंगे व नई कार्यकारिणी के सदस्यों को वर्तमान कार्यकारिणी के को अब परिषद के आगे के कार्यक्रम के बारे में बताया जायेगा जो सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वीकार हो परिषद के सभी आजीवन सदस्यो से अपील है कि पुनः आम सभा में उपस्थित है क्योंकि वैज्ञानिक के वर्तमान अंक में डॉ आर चिदंबरम के विशेष अंक का सफल प्रकाशन से उन्हें याद किया गया महान परमाणु वैज्ञानिक का भारत में नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया और पोखरण 2 परमाणु परीक्षण में मुख्य भूमिका थी खासबात यह है कि वे बहुत पहले हिन्दी विज्ञान के अध्यक्ष भी थे और उनका आकस्मिक निधन मुंबई में परमाणु वैज्ञानिक डॉ. चिदंबरम का 4 जनवरी 2025 में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया, वे भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे., हिंदी के कार्यकारिणी समिति के चुनाव हेतु कृप्या ईमेल - hvspelection@gmail.com पर 5दिन के अंदर आवेदन पत्र भेज दे. हिन्दी विज्ञान की लोकप्रिय पत्रिका वैज्ञानिक से जुड़े सभी विज्ञान लेखकों पाठकों और सृजनशील व्यक्तियों के निरंतर सहयोग, स्नेह, विश्वास और वैज्ञानिक से लगाव है। इसके मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं व संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, केके वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, बी.एन. मिश्र,अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बधाई के पात्र हैं.विज्ञान साहित्य का ऐसा मिला-जुला ढंग उस साहित्य के सृजन में सहायक होता है जो पूर्णतः भौतिकवादी होता है तथा शुद्ध कला का निर्माण नहीं करता है.हिंदी विज्ञान की पत्रिका वैज्ञानिक का योगदान विज्ञान संचार हेतु जरुरी है ताकि इससे नवविज्ञान लेखकों को एक वैज्ञानिक मंच मिल सके।

परीक्षा परिणाम वितरण व पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः स्थानीय विद्यालय में आज वार्षिक परीक्षा परिणाम व पुरस्कार वितरण समारोह अश्विन प्रणामी (सेवानिवृत प्राचार्य) गोमती शंकर पंड्या (सेवानिवृत्ति शारीरिक शिक्षक) अंबा दास जी वैष्णव (सेवानिवृत्ति पोस्टमास्टर) एवं गोपाल पाटीदार (उप सरपंच बागीदौरा)के सानिध्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर करवाया। अतिथियों का परिचय विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पूनम सोलंकी ने कराया। स्वागत विद्यालय के आचार्य गुणवीर सिंह चौहान, बहादुर कटारा, कांतिलाल मसार व नरेश डामोर ने करवाया । परीक्षा प्रभारी भरत रख ने वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा करते हुए विद्यालय का शैक्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय में समग्र परीक्षा परिणाम में कक्षा उदय का भैया प्रियांशु पारगी 100% प्रतिशत परीक्षा परिणाम के साथ प्रथम स्थान पर रहा ।साथ ही प्रत्येक कक्षा में शैक्षिक परिणाम में प्रथम द्वितीय, उपस्थिति में प्रथम, द्वितीय तथा अनुशासन में प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त किया। भैया बहनों को अतिथियों द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर अश्विन प्रणामी ने साथ में आए हुए अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा ,कि भैया बहनों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय का जितना योगदान होता है उतना ही योगदान माता-पिता का भी होता है ,अतः हमें गुरुजनों के मार्गदर्शन में अपने बालकों की घर पर दिनचर्या, उनके आहार विहार आदि का भी ध्यान रखना चाहिए ।साथ ही उन्होंने भैया बहनों से विद्यार्थी के पांच लक्षण व उनके कर्तव्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की । अंबादास वैष्णव ने कहा कि बालक में विद्या अध्ययन के साथ-साथ संस्कारों का बीजारोपण भी होना चाहिए। गोमती शंकर पंड्या ने अभिभावकों से बातचीत में कहा कि हमें घर पर बालक का ध्यान किस प्रकार से रखना चाहिए। कार्यक्रम का आभार उपसरपंच व विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य गोपाल पाटीदार ने ज्ञापित किया ।यह जानकारी विद्यालय के प्रचार प्रमुख निरंजन दवे ने दी।

सहकार दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत मृतक कृषक की पत्नी को 10 लाख रुपये की सहायता राशि का वितरण लेम्पस टांडीबड़ी में शाखा प्रबंधक सीसीबी के हाथो हुआ

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा सज्जनगढ़ः राज्य सरकार की सहकार दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत सज्जनगढ़ उपखंड के ग्राम छियाखूंटा निवासी कृषक लालु पिता होमा की पत्नी को 10 लाख रुपये की बीमा सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। लालु टांडीबड़ी सहकारी समिति के सदस्य थे तथा जीविकोपार्जन हेतु अहमदाबाद, गुजरात में मजदूरी करने गए थे, जहां दुर्भाग्यवश एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। इस दु:खद घटना के बाद सहकारिता विभाग द्वारा मृतक की नामांकित पत्नी श्रीमती वाली को योजना के तहत बीमा लाभ दिलाने की प्रक्रिया पूरी की गई। सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सज्जनगढ़ शाखा की लेम्पस टांडीबड़ी में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों द्वारा उन्हें 10 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपा गया। इस अवसर पर दी बांसवाड़ा सेन्ट्रल को ऑपरेटिव लिमिटेड शाखा सज्जनगढ़ के बैंक प्रबंधक अनुज मीणा, टांडीबड़ी लेम्पस के अध्यक्ष तोलसिंह, व्यवस्थापक नरेन्द्र पंचाल, राजेश पंचाल, ताज़हिंग पणदा, सरपंच बिजिया भाई एवं लेम्पस टांडीबड़ी के कृषक सहित सहकारी समिति के सदस्य एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने योजना की जानकारी देते हुए अन्य कृषकों से भी सहकारिता से जुड़कर इस प्रकार की योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। सरकार की यह योजना ग्रामीण कृषकों और श्रमिकों के लिए संकट की घड़ी में एक बड़ा संबल बनकर उभर रही है। ये जानकारी महेश सोनी ने दी।

संत रविदास सेवा विकास समिति के द्वारा 15जोडों का हुआ सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन -

मरूधर विशेष

संवाददाता सलीम खान कामां -संत रविदास सेवा विकास समिति के द्वारा कामां में पहाड़ी रोड स्थित अंबेडकर भवन में सर्वजातीय 15 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया इस मौके पर मुख्य अतिथि आरिफ खान प्रधान नगर, विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि चंदन सिंह जाटव, प्रदेश अध्यक्ष लालचंद तेंगुरिया प्रदेश अध्यक्ष संत रविदास सेवा विकास समिति, करतार चंद बौद्ध, श्रीचंद नौनेरा, एडवोकेट हीरालाल जाजोरिया, बृजेश कुमार गौतम, विनोद कुमार उदाका, राजू बौद्ध, शंकर लाल बौद्ध, राजू सैनी, योगेश कुमार सैनी अध्यक्ष सैनी समाज, खेमराज मातूकी जायंट्स ग्रुप आफ कॉमवन, उदल सिंह कैरों जिला अध्यक्ष राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर, महेश चंद नगर, वह सर्व समाज के सैकड़ो लोग मौजूद रहे

नीमराना में बाईपास मोड पर स्थित राणीहोड़ा मंदिर में बाबा खेतानाथ लोक कल्याण ट्रस्ट की ओर से नव निर्मित वृद्धाश्रम भवन का लोकार्पण किया

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना में माजरी कलां रोड पर नवनिर्मित वृद्धआश्रम भवन का बुधवार को लोकार्पण किया गया। बाबा खेतानाथ आश्रम के महंत शंकर नाथ ने बताया कि इस मौके पर पहले हवन का कार्यक्रम किया गया । साधु संतों की उपस्थिति में उद्घाटन का कार्यक्रम किया गया।उन्होंने बताया की माजरी रोड़ राणी होड़ा मंदिर के समीप करीब ढाई बीघा भूमि पर जरूरतमंद आश्रित वृद्धों के लिए इस वृद्ध आश्रम पर सुविधाजनक 15 कमरों का निर्माण करवाया गया है। भोजन के लिए 28 वृद्धों लिए एक वातानुकूलित डायनिंग होल, रसोईघर, चिकित्सा के लिए एक डिस्पेंसरी सुविधा रूम, सुरक्षा गार्ड रूम, कार्यालय, पार्क आदि का निर्माण भी किया गया है। कार्यक्रम के दौरान कालेश्वर धाम के महंत शीतल नाथ महाराज, विश्वनाथ महाराज जोधपुर आश्रम खेतानाथ, कैलाश नाथ बाबा श्योनाथ आश्रम खरखड़ा रोहतक, बालक नाथ महाराज, उमेदनाथ महाराज, जयदयाल यादव प्रतापसिंह पुरा वाले, केडी यादव सानौली, गौशाला जिला अध्यक्ष रामनिवास थानेदार, मुंडावर विधायक ललित यादव, भाजपा नेत्री शानू राजकुमार यादव,जगमाल सिंह यादव मास्टर, समाजसेवी धर्मपाल यादव, एडवोकेट विनोद यादव, शिवचरण खंडेलवाल, जय भारत सोनी, होशियार यादव, अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कोच राजकुमार यादव, रामपाल कुमावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश खंडेलवाल, यशवंत यादव, राजेंद्र कमांडो, कंवर सिंह यादव, दीपक भंडारी, अर्जुन जोधपुर, हरिसिंह सैनी पुर्व उप चेयरमैन नीमराना, जसवंत यादव उप चेयरमैन, जयप्रकाश यादव, सतपाल यादव, हवासिंह यादव, समेत अनेक भामाशाह मौजूद है।

राजकीय विद्यालय में मंच स्थल, टीन सेड, इंटर लॉकिंग तथा आर.ओ. एवं वाटर कूलर का उद्घाटन हुआ

मरूधर विशेष

संवाददाता सलीम खान कामां मेजर विक्रम बादीपुर के अथक प्रयासों की बदौलत उनके पिता श्री अमरचंद बोहरे जी एवं ग्रामवासियों के सहयोग से मुंबई स्थित एनजीओ द्वारा गाँव बादीपुर के विद्यालय में मंच स्थल, टीन सेड, इंटर लॉकिंग तथा आर.ओ. एवं वाटर कूलर और ग्राम के राधा-कृष्ण मंदिर में मंच स्थल टीन शेड बनवाया गयाद्य आज सभी निर्मित स्थलों का उद्घाटन कामां व्यापार मंडल के अध्यक्ष कमल अरोड़ा , तिलक अरोड़ा योगेश ठाकुर एवं सतीश छाबड़ा के द्वारा किया गया । इस अवसर पर सर्वप्रथम ग्राम बादीपुर स्कूल में छात्राओं द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया उसके उपरांत प्रधानाचार्य नीतेश शर्मा के स्कूल स्टाफ द्वारा सरस्वती वंदना की गईद्य ग्रामीणों ने माला पहनाकर,साफा बांधकर एवं शॉल उढ़ाकर अतिथियों का सम्मान किया। इस मौके पर कामां व्यापार मंडल अध्यक्ष कमल जी ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताया तथा अनुशासन का पालन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बादीपुर सरदारी की तरफ से सोहनलाल ,अमरचंद,अमरी , राजेंद्र बौहरे ,रूपी ठेकेदार, देवकी, अमर सिंह सब-इंस्पेक्टर,चंद्रभान, देवेंद्र फौजी, श्याम सिंह फौजी, राम रतन, परशुराम, मोहन मेंबर, मोहन सोगरिया, उदल बघेला, डॉ. रवि, गौशाला महंत रूपी भगत जी तथा अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे

फौलादपुर की बेटी प्रियंका यादव ने एनडीए परीक्षा की उत्तीर्ण

मोनिका मॉडर्न स्कूल के शिक्षकों ने किया

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) फौलादपुर गांव की होनहार बेटी तथा मोनिका मॉडर्न सेकेंडरी स्कूल फौलादपुर की छात्रा प्रियंका यादव पुत्री रामधन यादव ने एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्यालय स्टाफ ने प्रियंका को साफा ,माला व मिठाई खिलाकर उत्साह वर्धन किया। तथा आगे एसएसबी इंटरव्यू में सफल होने की अग्रिम बधाई दी।इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सुरेश यादव,रामधन यादव, व्यवस्थापक करणसिंह यादव ,नरेंद्र शर्मा सतवीर यादव , योगेश यादव,सुशीला यादव तथा विद्यालय के छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

एक युवक ने तीन माह की दुधमुंही बच्ची के गुप्तांग से की छेड़छाड़, मानवता को किया शर्मसार

आरोपी जल्दी ही पुलिस गिरफ्त में होगा

मरुधर विशेष। दिनेश लेखी

कठूमर । थाना क्षेत्र में एक गांव में एक युवक ने तीन माह की दुधमुंही बच्ची के गुप्तांग में अंगुली को घुसा कर मानवता को शर्मसार कर दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। और युवक को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। थानाधिकारी महेश तिवाड़ी ने बताया कि बुधवार दोपहर तीन माह की दूधमुंही बच्ची अपनी दादी के पास लेट कर खेल रही थी कि बच्ची की दादी किसी काम में लग गई। तभी एक पडौसी युवक आया और बच्ची के साथ अश्लील हरकत की तभी बच्ची रोने लगी तो उक्त आरोपी युवक भाग गया। दादी ने बच्ची के पास जाकर देखा तो बच्ची के गुप्तांग से खून बह रहा था। दादी ने इसकी सूचना पुलिस को दी पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया। पुलिस मामला दर्ज कर युवक को तत्परता से तलाश कर रही है।

नीमराना में भगवान परशुराम जयंती मनाई कस्बे के प्रमुख मार्गो से निकल गई भव्य झांकी

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना कस्बे में भगवान परशुराम जयंती बुधवार को ब्राह्मण समाज के द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर नीमराना के प्रमुख मार्गो से होकर आकर्षक झांकियां सजाकर प्रमुख मार्गो से निकाली गई।झांकी नीमराना के बावड़ी रोड से शुरू होकर श्रीकृष्णा टावर तक निकाली गई। झांकी के दौरान बैंड बाजा की धुन पर एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आश्रम के महत्व जगतगुरु स्वामी बालकाचार्य महाराज, सिद्ध सेवा धाम से महंत अनिल पुरोहित के मुख्य अतिथि में परशुराम जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर झांकियों का फूल बरसाकर स्वागत किया गया। दौरान किन्नर गुरु मधु शर्मा, अशोक मुदगल, चेतन शर्मा, योगेश भारद्वाज, विनोद भारद्वाज, सुधीर शर्मा, सतीश मुदगल, मनमोहन भारद्वाज, एडवोकेट एमडी शर्मा, लोकेश भारद्वाज, महेंद्र शर्मा, अजय मुदगल, अरविंद मुदगल, सुनील शर्मा, सुनील कक्कू, अशोक राजपुरोहित, प्रमोद मुदगल, आशीष गौड़, बजरंग मुदगल, अजीत जोशी, अभिषेक कौशिक, अजय मुदगल, पंकज, कृष्ण शर्मा, अमित सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

पहलगाम आतंकी हमले का रैली व कैंड़ल मार्च निकाल कर जताया विरोध

मरूधर विशेष

मुंडावर (रमेश चंद) जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में बुधवार को सोड़ावास के व्यापारियों एवं ग्रामीणों की ओर से सामाजिक कार्यकर्ता भारत सुभाष गुप्ता के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करके आक्रोश रैली व कैंडल मार्च निकाला। पर्यटकों पर निर्मम हमले एवं हत्या के विरोध में सोडावास व्यापार विकास समिति ने बाजार को एक दिवसीय बंद का आह्वान किया। व्यापार विकास समिति सोडावास के अध्यक्ष शीशराम चौधरी ने बताया व्यापारियों ने सभा कर हमले में मारे गए 26 पर्यटकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और आक्रोश रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया।

खैरथल निजी विद्यालय संघ की बैठक का हुआ आयोजन, कई मुद्दों पर चर्चा कर लिए निर्णय

मरूधर विशेष

विजय सिंह /मोहम्मद शकील खैरथल । खैरथल निजी विद्यालय संघ की बैठक का आयोजन बुधवार को किशनगढ़ बास रोड़ पर स्थित एक्सिस एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खैरथल प्रांगण में किया गया जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए । मीडिया प्रभारी एवं इन्द्रा हैप्पी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर पंकज खुराना ने बताया कि खैरथल निजी विद्यालय संघ अध्यक्ष सुनील यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में सर्वसम्मति से ग्रीष्म अवकाश को लेकर फैसला लिया गया कि सरकारी छुट्टियों के दौरान सरकार के आदेशों की पूर्णतया पालना की जाएगी ।बिना टीसी किसी भी बच्चे का एडमिशन नहीं लिया जाएगा और गर्मी को देखते हुए निजी विद्यालय संघ बहुत जल्द पक्षियों के पानी पीने के लिए 1000 परिंडे लगाएगा । बैठक को संबोधित करते हुए निजी विद्यालय संघ अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी साथियों को एकजुट होकर रहना होगा एकता से ही संगठन को शक्ति मिलेगी । उन्होंने ने सभी विद्यालयों के संचालकों से अपील करते हुए कहा कि आरटीई के नियमों की पूर्णता पालना की जाए और बच्चों के एडमिशन लेते समय टीसी,आधार कार्ड सहित सभी दस्तावेज सही तरीके से जांच करें । बैठक के दौरान खैरथल निजी स्कूल अध्यक्ष सुनील यादव, मीडिया प्रभारी पंकज खुराना,संरक्षक बस्तीराम, मुकेश शर्मा, कपिल शर्मा, मनोज कुकरेजा, ताराचंद, विशाल गुप्ता, राजपाल यादव, राजेंद्र, आनंद, दीनदयाल गुप्ता, बबलू सैनी, मितेश कुमार ,अभिषेक गोयल, नरेंद्र, पियूष, नवीन, पुष्कर आदि मौजूद रहे।

विदाई समारोह में वरिष्ठ अध्यापक भगवान दास को चांदी का मुकुट पहनाकर किया सम्मान

मरूधर विशेष

विजय सिंह/मोहम्मद शकील खैरथल । शहर के समीपवर्ती दादरहेडा ग्राम के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत वरिष्ठ अध्यापक भगवान दास के व्याख्याता (इतिहास) के पद पर क्रमोनत होने पर चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया गया। बुधवार को आयोजित विदाई समारोह में विद्यालय की एसएमसी कमेटी सदस्य श्रीमती सीमा देवी सरपंच ग्राम पंचायत झिरन्डिया, सरपंच प्रतनिधि अशोक कुमार एवं स्कूल परिवार व गांव के प्रबुद्धजनो ने वरिष्ठ अध्यापक भगवान दास को चांदी का मुकुट एवं ग्यारह साफे पहनाकर व अनेकों उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने वरिष्ठ अध्यापक भगवान दास द्वारा कार्यकाल के दौरान विद्यालय में नामांकन में वृद्धि ,भौतिक संसाधनों की व्यवस्था,शिक्षा में गुणवत्ता एवं विद्यालय क्रमोन्नति का श्रेय देते हुए उनके कार्य की प्रशंसा की । इस मौके पर वरिष्ठ अध्यापक भगवान दास ने सभी का आभार व्यक्त करते धन्यवाद दिया।

डिवीजन बनने के बाद पहली बार एक्सन नें कार्य भार संभाला

मरूधर विशेष

सुनीता सैनी बावल कस्बे मे डिवीजन बनने के बाद पहली बार एक्सन नें कार्य भार संभालने पर निगम कर्मियों नें गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया डिवीजन बनने पर ओमेन्दर कुमार नें कार्य भार ग्रहण किया है पहले धारूहेड़ा और बावल एक ही डिवीजन मे जुड़े हुए थे बावल नया डिवीजन बनने के बाद पहली बार एक्सन नें पद भार संभाला है सब यूनिट प्रधान संजीव कुमार और साथियो नें गुलदस्ता देकर एक्सन का स्वागत किया उन्होंने कहा विधुत निगम से सम्बंधित शिकायतों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा उपभोक्ताओं क़ो धारूहेड़ा जाने मे काफ़ी समय लगता था अधिकारी के बावल डिवीजन मे रहने से लोगो क़ो अपनी शिकायते और सुझाव देने मे कोई परेशानी नहीं होंगी विभाग से सम्बंधित कार्यों क़ो स्थानीय सतर पर ही निपटाया जा सकेगा उन्होंने कहा लाखो लोगो क़ो धारूहेड़ा जाने की परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी इस अवसर पर मनिक कुमार संजीव कुमार राकेश कुमार दिलबाग सिंह विष्णु पवन कुमार परमवीर सिंह सहित स्टाफ के लोग मौजूद रहे

घोड़ी पर बैठकर सेवानिवृत हुए थानेदार

मरूधर विशेष

सुनीता सैनी बावल सब इसपेक्टर नरेश कुमार का विदाई समारोह आयोजित किया गया जिसमे आसपास के लोग और डीएसपी सुरेंदर श्योरान भी मौजूद रहे बावल थाने मे सब इसपेक्टर के पद पर तैनात नरेश कुमार क़ो घोड़ी पर बैठाकर विदाई दी गई बावल थाने से घोड़ी और डीजे के साथ पुलिस कर्मी क़ो साबन रोड निवास स्थान तक ले जाया गया थाना प्रभारी संजय सिंह नें बताया 37वर्ष सेवा काल के दौरान नरेश नें अपनी ड्यूटी ईमानदारी और जिम्मेदारी से निर्वहन की उन्होंने बताया की लोगो के सहयोग से संगीन कई मामलो क़ो ट्रेस किया आसपास गावों के लोग उनके विदाई कार्यकर्म मे पहुचे है लम्बे समय सेवा मे रहने के बाद तक सेवानिवृत भावुक पल होता है उन्होंने कहा नरेश नें ड्यूटी क़ो जिम्मेदारी और ईमानदारी से सम्पूर्ण किया जिससे पुलिस विभाग मे उनकी अलग पहचान बनी हुई है इस अवसर पर थाना प्रभारी संजय सिंह डीएसपी सुरेंदर श्योरान आसपास थानो के कर्मचारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे

संतोष देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा नीमराना ग्राम न्यायालय परिसर में लगाया गया वाटर कूलर

सचिव शानू राजकुमार यादव ने किया उद्घाटन

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना ग्राम न्यायालय परिसर में बुधवार को संतोष देवी चैरिटेबल ट्रस्ट जखराना के द्वारा आमजन की सेवार्थ में वाटर कूलर लगाया गया जिसका उद्घाटन ट्रस्ट की सचिव शानू राजकुमार यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शानू राजकुमार ने कहा कि पेयजल की व्यवस्था आमजन के लिए उपलब्धता करवाना सबसे बड़ा परमार्थ का कार्य है इसलिए आमजन की सेवार्थ में पानी की प्याऊ लगाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। इस अवसर पर सानू राजकुमार ने कहा कि ट्रस्ट के द्वारा सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे कार्य परोपकार के रूप में सर्वोपरि है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीमराना अभिभाषक संघ के अध्यक्ष मुकेश सिरोहीवाल के द्वारा की गई। इस अवसर पर बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष नवीन बाला, वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील यादव फौलादपुर, प्रमोद यादव, प्राण सूख सैनी, वीर सिंह यादव, हरि प्रीत यादव, जयकिशन पचेरवाल, उदय सिंह यादव, देवेंद्र दोसादिया, मुकेश शर्मा,विपिन यादव सहित काफी संख्या में अधिवक्ता एवं गण मान्य लोग मौजूद रहे।

आयुर्वेद औषधालय वैध का ग्रामीणों ने किया सम्मान

मरूधर विशेष

मुंडावर (रमेश चंद) मुंडावर उपखंड के सोडावास के समीप करनीकोट राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय के बुजुर्ग वैध सुमेर सिंह यादव मुंडनवाड़ा का अच्छा कार्य एवं सही ड्यूटी देने पर ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर सूरत सिंह सामाजिक कार्यकर्ता, विजेंद्र यादव थानेदार, राजवीर यादव पोस्ट मास्टर, अनिल शर्मा सोडावास, योगेश सैन मुंडवाडिया, आभास कानोड़िया सहित लोग उपस्थित रहे।

पुलिस की विशेष टीमें रोहिंग्या-बांग्लादेशियों की कर रहीं तलाश

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी पुलिस का कहना है कि उन्हें पर्यटन स्थलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के मूवमेंट का इनपुट मिला है। यहां तक कि रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मंदिरों और अन्य प्रमुख स्थलों पर ये लोग फेरीवाला और मांगने वालों के वेश में रह रहे हैं। इनकी तलाश और शिनाख्ती का काम अब विशेष पुलिस की टीमें करेंगी। पुलिस के मुताबिक कई सालों से यहां रहने के कारण इन्हें भाषाई या पहनावे से पहचानना थोड़ा जटिल हो गया है। बावजूद इसके किराए का मकानों का सत्यापन और भाषाई जानकारी हासिल कर इन रोहिंग्या या बांग्लादेशियों की मौजूदगी को उजागर किया जा सकेगा। पुलिस की विशेष टीम अब सड़कों व रेल पटरियों के किनारे, गांव के बाहरी क्षेत्रों, पार्कों और खुले मैदानों में रहने वाले लोगों का भी सत्यापन कर सकेगी। ऐसा करते हुए इन लोगों को चिह्नित कर हटाया जाएगा। यहां बताते चलें कि एटीएस और एनआईए द्वारा गठित टीमें पहले से ही रोहिंग्या की तलाश में जुटी हुई हैं। तलाशी के दौरान पिछले दिनों सारनाथ से दो लोगों को पकड़ा जा चुका है। अब पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देश पर वाराणसी के काशी, गोमती और वरुणा समेत तीनों जोन की विशेष पुलिस टीमें भी इस पर प्रभावी विधिक कार्रवाई को अंजाम देंगी।

मई की शुरुआत होगी बारिश व आंधी से, दिल्ली-एनसीआर में चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई की शुरुआत बारिश व आंधी से होगी। तापमान घटेगा और गर्मी से एक सप्ताह तक दिल्ली-एनसीआर के लोगों को राहत मिलेगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मई महीने के शुरुआती हफ्ते में बारिश होने की संभावना जताई है। जबकि 1-3 मई तक तेज हवाओं के आंधी में तब्दील होने की वजह से 'येलो अलर्ट' जारी किया है। आइएमडी के मुताबिक 1-3 मई तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ हल्की बारिश होगी। वहीं हवाओं की रफ्तार 30-40 किमी प्रतिघंटा व कुछ इलाकों में 50 किमी प्रतिघंटा से चलेंगी जोकि आंधी का रूप ले सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 35 डिग्री तक जा सकता है। वहीं 4-5 मई को आसमान में बादल छाए रहेंगे और बूंदाबांदी होगी लेकिन हवाओं की गति धीमी पड़ रहेगी। मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री कम 37.5 व न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.7 अधिक 24.5 दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह पूर्वी सतही हवाओं की रफ्तार 15-20 किलोमीटर से बढ़कर शाम के समय 37 किलोमीटर प्रतिघंटा तक पहुंच गई। वहीं सर्वाधिक अधिकतम तापमान में गिरावट पालम निगरानी केंद्र में देखने को मिली। दूसरी तरफ उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि मैदानी इलाकों में जैसे पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है। पूर्वी भारत के बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में गर्मी और उमस बनी हुई है। दक्षिण भारत में केरल और तमिलनाडु में मॉनसूनी पूर्व बारिश की गतिविधियां तेज हो गई है।

मानहानि के मामले में कोर्ट में हाजिर नहीं हुए राहुल गांधी, अब 17 मई को होगी अगली सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ कथित रुप से आपत्तिजनक बयान देने के आरोपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने आरोपी को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश देते हुए मामले की सुनवाई के लिए 17 मई की तारीख तय की है। राहुल गांधी के अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने अदालत में बताया कि 29 अप्रैल को रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति दिशा की बैठक राहुल गांधी की अध्यक्षता में होनी है लिहाजा वे हाजिर नहीं हो सके। विदित हो कि सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के पद के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पदयात्रा के दौरान नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के सीमा पर भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच हुई झड़प का जिक्र किया और कहा ' ' लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में क्या क्या पूछेंगे, लेकिन चीनी सैनिकों द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी सवाल नहीं पूछेंगे। नौ तारीख़ को सीमा पर चीनी भारतीय सेना के बीच विवाद होने के बाद भारतीय सेना ने 12 दिसंबर को आधिकारिक बयान जारी करके बताया गया कि चीनी सेना भारतीय सीमा में अतिक्रमण कर रही थी जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया था। इस झड़प में दोनों पक्षों को मामूली चोटें आई थी। राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल मामले में कहा भारतीय सैनिकों की चीनी सैनिकों द्वारा पिटाई के झूठे बयान से परिवादी को आघात लगा है। साथ ही राहुल गांधी के इस बयान से भारतीय सेना, सैनिकों के परिवार और वादी की मानहानि हुई है।

तेजस्वी का सपना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा, जो पूरा नहीं होगा : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद विपक्ष की बयानबाजी और उठाए गए सवालों पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भड़क उठे। दरअसल माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य द्वारा सिंधु जल समझौता रोकने पर सवाल उठाने पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने माले को चीन का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि पानी रोकने की बात पर जनता को दोष देना गलत है, लेकिन यह वहीं लोग हैं जिन्होंने 1962 में हमारी लड़ाई के समय चीन का साथ दिया था। वहीं तेजस्वी यादव के खुद को सीएम फेस बताने पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने तंज करते हुए कहा तेजस्वी का सपना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा है, जो कभी पूरा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नॉर्थ ईस्ट से लेकर किसानों और नौजवानों तक हर वर्ग से संवाद बनाए रखा है। साथ ही पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस और राजद नेताओं के बयानों को शर्मनाक बताया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पटना पहुंचते ही कांग्रेस के द्वारा प्रधानमंत्री पर बयान बाजी करने पर कहा कि आज सारा देश एक है निश्चित तौर पर सभी को एकजुट होना चाहिए।

मणिपुर के 21 विधायकों ने की गृहमंत्री अमित शाह से सरकार के गठन की मांग

-पत्र में लिखा- राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद भी राज्य में शांति नहीं

इंफाल(एजेंसी)। मणिपुर के 21 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य में सरकार बनाने की मांग की है। ये विधायक मणिपुर में शांति बहाली और सामान्य स्थिति की ओर कदम बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। पत्र में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद शांति नहीं हो पाई है, जिसके कारण लोग हिंसा फिर होने की आशंका जता रहे हैं।

गौरतलब है कि 13 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। इसके बाद से मणिपुर की विधानसभा का कार्यकाल निलंबित कर दिया है और राज्य में शांति की बहाली के प्रयास किए जा रहे हैं। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा की स्थिति ने राज्य को काफी प्रभावित किया है।

बता दें मई 2023 से जारी हिंसा में 250 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। सीएम एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। पत्र में 21 विधायकों ने सरकार से अपील की है कि राष्ट्रपति शासन के बाद शांति और सामान्य स्थिति के लिए अब तक कोई स्पष्ट कदम नहीं उठाए गए हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले विधायकों में बीजेपी के 13, एनपीपी के 3, नगा पीपुल्स फ्रंट के 3 विधायक और विधानसभा के 2 स्वतंत्र सदस्य शामिल हैं।

मणिपुर में अभी तक शांति और सामान्य स्थिति के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में चिंता जताई जा रही है कि राज्य में फिर से हिंसा की स्थिति बन सकती है। कई नागरिक संगठन भी राष्ट्रपति शासन के खिलाफ सामने आकर सरकार बनाने की मांग कर रहे हैं। विधायकों का कहना है कि शांति के लिए सरकार का गठन अत्यंत जरूरी है। उनका मानना है कि राष्ट्रपति शासन के तहत स्थिति में सुधार नहीं हो पाया है और अब स्थायी सरकार ही राज्य में सामान्य स्थिति की बहाली कर सकती है।

यह पत्र गृह मंत्रालय को 29 अप्रैल यानी मंगलवार को मिला था और इसे आज सार्वजनिक किया गया। मणिपुर के इस संकटपूर्ण समय में इस पत्र को एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो राज्य की स्थिरता के लिए सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील करता है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पाक को दी धमकी

जम्मू (एजेंसी)। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी दी है। इस गैंग की धमकी से जुड़ा सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है जिसमें गैंग ने लिखा है कि पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की हत्या का जवाब देने के लिए हम पाकिस्तान में घुसकर एक ऐसे आदमी को मारेंगे, जो एक लाख के बराबर होगा। पोस्ट में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का फोटो भी लगा है और उस पर क्रॉस का चिह्न लगाया गया है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भारत में कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुका लॉरेंस बिश्नोई गिरोह अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने गुनाहों की जिम्मेदारी लेता रहा है। हालांकि उसके इस पोस्ट में कितनी सच्चाई है और क्या इसे गैंग ने ही पोस्ट किया है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। अक्सर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर पाकिस्तानी गैंगस्टरों और डॉन से रिश्ते रखने के आरोप लगते रहे हैं। कई अपराधों में पुलिस लॉरेंस बिश्नोई के पाकिस्तान से रिश्तों की बात कहते हुए सबूत भी दे चुकी है लेकिन जेल से हुए लॉरेंस बिश्नोई के कथित इंटरव्यू में वह इस बात को नकार चुका है। लॉरेंस बिश्नोई ने खुद को देशभक्त कहते हुए बार-बार दावा किया था कि देश के दुश्मनों से उसके कोई रिश्ते नहीं हैं। इसके विपरीत पिछले साल लॉरेंस बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी को ईद की बधाई दे रहा था। यही नहीं, गैंग के शूटरों को हथियारों की सप्लाई भी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए होती है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में पाकिस्तान से आए एके-47 राइफल के अलावा पॉइंट 30 बोर और नौ एमएम पिस्टल का इस्तेमाल हुआ था।

पंजाब ने घटाया हरियाणा को मिलने वाला पानी, गहराया जल संकट

-सीएम सैनी बोले- आश्वासन देकर पलट गए सीएम मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने भाखड़ा डैम से हरियाणा को दी जाने वाली पानी की आपूर्ति में कटौती कर दी। पहले जहां रोज 9,000 क्यूसेक पानी दिया जा रहा था, अब यह घटाकर केवल 4,000 क्यूसेक कर दिया है। इससे हरियाणा के करीब छह जिलों में जल संकट खड़ा हो गया है, जो आने वाले दिनों में और भी विकराल हो सकता है।

इस विवाद के बीच पंजाब के सीएम भगवंत मान ने को कहा कि राज्य के पास हरियाणा को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। वहीं हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने बताया कि भगवंत मान ने उन्हें इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की निगरानी में हर साल पंजाब सरकार हरियाणा और राजस्थान को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है। यह जल आवंटन 21 मई से अगले साल की 21 मई तक मान्य होता है। इस नहर के जरिए से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की लाखों एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। यह पानी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीने के लिए भी इस्तेमाल होता है, खासकर उन इलाकों में जहां भूजल की कमी है।

पंजाब का कहना है कि हरियाणा पहले ही मार्च में अपनी तय सीमा का पानी खर्च कर चुका है, क्योंकि उसका जल प्रबंधन सही नहीं था। इससे अब पंजाब ने हरियाणा को दिए जाने वाले पानी में 5,000 क्यूसेक की कटौती कर दी है। इसका असर हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक और महेन्द्रगढ़ जैसे जिलों में दिखने लगा है। हालात यही रहे तो अन्य जिलों में भी पानी का संकट गहरा सकता है। मंगलवार को दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई। इसके बाद भगवंत मान ने वीडियो संदेश जारी करते हुए आरोप लगाया कि हरियाणा ने पानी का किफायती और समझदारी से इस्तेमाल नहीं किया, जिसकी वजह से वह मार्च में ही अपना कोटा खत्म कर बैठा। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद पंजाब मानवता के आधार पर 4,000 क्यूसेक पानी दे रहा है, जबकि नियमों के मुताबिक वह भी नहीं दिया जाना चाहिए।

सामुहिक विवाह मे 13 जोड़े विवाह सूत्र मे बंधे। अपार भीड़ उमड़ पड़ी!

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा उदयपुरः, समस्त ब्राह्मण एवं सर्व समाज सामुहिक विवाह समिति के संत एच आर पालीवाल के सानिध्य मे 11 वा सामुहिक विवाह 30 अप्रैल अक्षय तृतीया पर एक दिवसीय प्रातः 9 बजे से साय 6 बजे तक हिरण मगरी सेक्टर 5, लश्करी अग्रवाल धर्मशाला मे योगेश चन्द्र पंड्या की अध्यक्षता मे एवं विष्णु शंकर पालीवाल, ओम प्रकाश नन्दवाना, महर्षि सारस्वत के मुख्य आतिथ्य मे संपन्न हुआ जिसमें अपार जन समुह उमड़ पड़ा। समिति के उपाध्यक्ष देवी लाल दाणा ने बताया कि 14 जोड़ों मे से एक जोड़ा अकस्मात निरस्त हो जाने से 13 जोड़े ही विवाह सूत्र मे बंधे। दाणा के अनुसार सभी जोड़ों को एक एक इलेक्ट्रिक स्कूटी, एक एक ऐस डी ओ कन्वर्ट 200 स्क्वेयर फीट प्लॉट, 6 फीट अलमारी, वाशिंग मशीन, इलेक्ट्रिक प्रेस, छत का पंखा, डनलप के गद्दे व रसोई के बर्तन के साथ सोने व चांदी की रकम व कई सारे गिफ्ट - उपहार सहयोग स्वरुप दिये गये। दाणा ने और बताया कि शोभायात्रा मे बैंड- घोड़ा- बगी व थाली-मादल- ढोल के साथ नाचते-गाते बजाते चल रहे थे। कार्यक्रम का संचालन संत एच आर पालीवाल ने रंगा रंग प्रस्तुतियों के साथ किया, वरमाला, रिंग सेरेमनी, गीत भजन, लोक नृत्य के साथ जन मानस का मन मोह लिया, कार्यक्रम में जोड़ा देने वालों, भामाँशाहो व सहयोगियों का सम्मान किया गया।इस अवसर पर सभी जोड़ों को समिति का मोमेंटो व वधु को साड़ी ओढ़ाकर सम्मान किया। विवाह संस्कार पण्डित नीलेश भट्ट व चन्द्र कान्त जोशी नें करवाया तथा दाणा ने कोटा, बागपूरा (मादडी), हिरण मगरी, चित्र कूट नगर, कांकरोली, राजसमंद, करणपूर, बेड़वास, खेमपूरा, रेलमगरा, घासापलाना , नाथद्वारा, भीलवाड़ा, पीपल खूंट (प्रतापगढ़), सोनगढ तापी, खारा कुआ, चीलोंडा(गुजरात), मगवास जाड़ोल (फ), से जोड़े प्रातः समय से आये। जो सांय सात बजे प्रस्थान कर गये। 11 वा सामुहिक विवाह सफलता से आयोजित हुआ जिसमें समिति के रामलाल नकवाल, हीरा भाई चंदानी, रणधीर मिश्रा, राकेश शाह, मधुकर पालीवाल, कनिष्क पालीवाल, खुशबु पालीवाल, कन्हैया लाल जोशी, खुशवंत पालीवाल, प्रेम लता पालीवाल, राजकुमारी माली, प्रवीण व्यास, बाबूलाल शर्मा, त्रिलोक दशोंत्तर, राम लाल गोड, पवन कुमार शर्मा, बांसवाड़ा जिला प्रभारी नवनीत त्रिवेदी, प्रकाश भावसार, उदयपुर जिलाध्यक्ष कपिल अग्रवाल, सतीश सिंह भाटी, मिनाक्षी पालीवाल, गौरीशंकर जोशी, नर्मदा शंकर जोशी, राजेश सालवी, अनिता शर्मा, अनुराधा पुरोहित, रानी जिनगर, रमेश चन्द झवर, संतोष सारस्वत,नवीन जैन टेकनो इंजीनियरिंग कालेज के डायरेक्टर व्यास, सुरेश चन्द करोटी,शिलोकी मोहन पुरोहित, शरद पुरोहित व सभी सहयोगी कार्यकताओं द्वारा विवाह समारोह को सफल करने में अपनी सम्पूर्ण भूमिका अदा की गई। आगामी सामुहिक विवाह समारोह छः माह में आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी समिति के बांसवाड़ा प्रभारी नवनीत त्रिवेदी ने दी द्य

20 मई से फिर बिहार में हुंकार भरेंगे प्रशांत किशोर, बोले- लोग बदलाव चाहते हैं, जातिगत जनगणना पर भी कही बड़ी बात

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को कहा कि बिहार के लोग शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार न होने के कारण बदलाव चाहते हैं। आज मीडिया से बात करते हुए किशोर ने कहा कि बिहार में एक बात तो तय है-लोग बदलाव चाहते हैं। चाहे वे आरजेडी, बीजेपी, जेडीयू के समर्थक हों या किसी भी जाति या धर्म के हों, वे बदलाव चाहते हैं क्योंकि उन्होंने पिछले 30-35 सालों में सभी पार्टियों के नेताओं को देखा है। शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी मुद्दों पर कोई प्रगति नहीं हुई है। वे दूसरे राज्यों में विकास देखते हैं और ठगा हुआ महसूस करते हैं। राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत जनगणना को शामिल किए जाने पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि हमें ऐसी किसी जनगणना या सर्वेक्षण से कोई दिक्कत नहीं है जो समाज की बेहतर समझ देता हो, लेकिन हमने बिहार में देखा है कि केवल जातिगत सर्वेक्षणों से देश की स्थिति में सुधार नहीं होगा, बल्कि यह तभी संभव होगा जब सरकार सर्वेक्षणों से निकले निष्कर्षों के आधार पर काम करेगी। किशोर ने सुझाव दिया कि बदलाव अपरिहार्य है, हालांकि इस पर बहस हो सकती है कि इसका नेतृत्व कौन करेगा। उन्होंने कहा, 'इस पर बहस हो सकती है कि बदलाव का अगुआ कौन होगा। यह जन सुराज हो सकता है। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि वे (लोग) बदलाव चाहते हैं।' किशोर ने आगे कहा कि जन सुराज 20 मई को 'बिहार बदलाव यात्रा' शुरू करेगा। यात्रा से पहले, पार्टी 11 मई को राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी, जिसमें प्रमुख मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विश्वसनीयता को निशाना बनाया जाएगा। किशोर ने कहा, ÷हम बिहार में एक करोड़ लोगों से तीन मुद्दों- जाति जनगणना, दलित महादलित परिवारों को भूमि वितरण और भूमि सर्वेक्षण पर नीतीश कुमार के ट्रैक रिकॉर्ड के बारे में बात करेंगे।÷ जन सुराज अपना पहला बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़े थे, लेकिन चुनावी प्रभाव छोड़ने में विफल रही। पिछला विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुआ था। किशोर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की भी निंदा की, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। उन्होंने कहा, 'विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे कुछ मुद्दे केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। ऐसे मामलों में हर नागरिक, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल से क्यों न जुड़ा हो, सरकार के साथ खड़ा होता है।' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को बैसरन मैदान में पर्यटकों पर आतंकवादियों के हमले में 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े जवाबी कदम उठाए हैं।

पहलगाम हमले को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने किया पीएम मोदी का समर्थन

-कहा- हमारे पास भी परमाणु बम है, अगर दुश्मनी चाहते हो तो हम तैयार हैं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच पीएम मोदी के लिए समर्थन जताया है। इसके साथ फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस के गायब होने वाले बयान पर भी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान को आगे की उकसावेबाजी के खिलाफ चेतावनी देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि हमने पीएम मोदी को पूरा समर्थन दिया है। उसके बाद हमसे सवाल नहीं किया जाना चाहिए। पीएम मोदी को जो भी काम करना है, वह करना चाहिए।

परमाणु शक्ति होने के पाकिस्तान के बार-बार के दावों का जवाब देते हुए अब्दुल्ला ने उन्हें भारत की अपनी क्षमताओं की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारे पास भी परमाणु बम है और हमारे पास यह उनसे पहले भी थे। भारत के गैर-आक्रामक होने के रुख पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने पहले कभी किसी पर हमला नहीं किया। यह सब वहीं से शुरू हुआ और हमने जवाब दिया। आज भी हम इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे, जब तक कि वे इसका इस्तेमाल न करें, लेकिन अगर वे इसका इस्तेमाल करते हैं, तो हमारे पास भी हैं। ऊपर वाला ऐसी स्थिति कभी न आने दें।

कांग्रेस पार्टी द्वारा पीएम मोदी की आलोचना करने पर फारूक अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस ने 28 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी को गायब बताने वाला पोस्ट शेयर किया था, जिसके बाद से बीजेपी और कांग्रेस के बीच पोस्टर वार शुरू हो गया था। हालांकि, इस पोस्टर को बाद में डिलीट कर दिया गया। इस पर फारूक अब्दुल्ला ने कांग्रेस के कथन को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वे कहां लापता है। मुझे पता है कि वह दिल्ली में है।

उन्होंने भारत की धरती पर बार-बार आतंकवादी हमलों के लिए पाकिस्तान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मुंबई हमला हुआ और यह साबित हो गया कि उन्होंने इसे अंजाम दिया। पठानकोट और उरी हमला भी उन्होंने किया। उन्होंने कारगिल युद्ध किया और मैं उस समय मुख्यमंत्री था। अब्दुल्ला ने कहा कि वे इसमें शामिल नहीं थे, लेकिन जब हमने कड़ी कार्रवाई की, तो वे मदद मांगने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के पास भागे थे। अब्दुल्ला ने कहा कि अगर वे दोस्ती चाहते हैं, तो ऐसी चीजें जारी नहीं रह सकतीं। इसे रोकना होगा, लेकिन अगर वे दुश्मनी चाहते हैं, तो हम तैयार हैं।

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर चीन और भारत की एक नीति पर पाकिस्तान का कोई इमान नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीएएन के मुताबिक, दुनिया के नौ देशों के पास कुल मिलाकर करीब 12,000 से ज्यादा परमाणु हथियार मौजूद हैं। ये देश रूस, अमेरिका, चीन, फ्रांस, यूके, पाकिस्तान, भारत, इजरायल और उत्तर कोरिया हैं। इसमें सबसे ज्यादा 5,889 परमाणु हथियार रूस के पास हैं। दूसरे नंबर पर अमेरिका है, जिसके पास 5,224 हथियार हैं। जरुरी बात ये हैं कि अमेरिका ने अपने कई परमाणु हथियार इटली, तुर्किये, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड्स में भी तैनात कर रखे हैं। लेकिन जिन देशों के पास परमाणु हथियार हैं, वे इनके इस्तेमाल को लेकर बेहद गंभीर और जिम्मेदार रवैया रखते हैं। हर देश ने अपने-अपने स्तर पर परमाणु हथियारों के उपयोग को लेकर नियम और नीति बना रखी है। हालांकि पाकिस्तान को लेकर अक्सर आशंका रहती है, क्योंकि वहां के कई नेता और यहां तक कि संसद सदस्य भी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर गैर-जिम्मेदाराना बयान दे चुके हैं।

क्या है भारत और चीन की नीति

भारत और चीन दोनों ने परमाणु हथियारों को लेकर अपनी-अपनी स्पष्ट नीतियां बना रही हैं। भारत ने 1999 में नो फर्स्ट यूज (एनएफयू) नीति की घोषणा की थी। भारत ने कहा था कि वह कभी भी किसी देश पर सबसे पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। रिपोर्ट बताती है कि भारत के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने भी अपनी किताब में नीति का जक्रि करते हुए कहा था कि भारत की रणनीति न्यूनतम प्रतिरोध और नो फर्स्ट यूज के सिद्धांत पर आधारित है। भारत की इस नीति का मकसद संदेश देना है कि वह परमाणु हथियारों का उपयोग सिर्फ आत्मरक्षा के लिए करेगा, वह भी तब जब उस पर परमाणु हमला हो जाए। वहीं चीन की नीति भी भारत की ही तरह है। 16 अक्टूबर 1964 को अपने पहले परमाणु परीक्षण के तुरंत बाद, चीन ने ऐलान किया था की कि वह किसी भी वक्त और किसी भी हालात में परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। यह नीति 2025 तक आधिकारिक रूप से बरकरार है।

लेकिन पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर कोई स्पष्ट और आधिकारिक नीति नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने नो फर्स्ट यूज (एनएफयू) नीति को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया है। इसके उलट, पाकिस्तान ने फर्स्ट यूज यानी पहले हमला करने को अपनी नीति का हिस्सा बना रखा है। इसके मायने ये है कि पाकिस्तान जरूरत पड़ने पर किसी भी समय परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। हाल ही में पाकिस्तानी रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत को खुलेआम परमाणु हमले की धमकी दी थी उन्होंने कहा था कि हमने शाहीन, गोरी और गजनवी जैसी 130 मिसाइलें भारत के लिए तैनात कर रखी हैं।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करना चाहते हैं बाबिल, अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रहे इरफान खान के बेटे बाबिल खान भी धीरे-धीरे अपने प्रोजेक्ट्स के जरिए बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में बाबिल ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'लॉगआउट' में नजर आए थे। इसमें उन्होंने एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भूमिका निभाई थी। अब बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि वो किस तरह की फिल्म करना चाहते हैं।

अब रॉम-कॉम में नजर आएंगे बाबिल

हाल ही में 'फिल्मीबीट' के साथ बातचीत में बाबिल ने अपने आगामी प्रोजेक्ट और निजी जिंदगी में रोमांस को लेकर बात की। बाबिल ने बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रोमांटिक शो है। उन्होंने कहा, रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में मेरी गहरी दिलचस्पी है। मैं वास्तव में रोमांटिक-कॉमेडी करना चाहता हूं। मैं अब एक रॉम-कॉम पर काम कर रहा हूं। हालांकि, बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन इतना तय है कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रॉम-कॉम है।

फोन में नहीं हैं बाबिल के कोई सीक्रेट

इस बातचीत के दौरान बाबिल ने अपने रियल लाइफ प्यार और अपने जीवन के सीक्रेट्स को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि मेरे सीक्रेट्स मेरे फोन पर नहीं हैं। मेरे सारे सीक्रेट मेरे दिल में हैं। अगर मेरा दिल चुरा लिया जाता है, जो आमतौर पर होता है। तो सारे सीक्रेट जाने जा सकते हैं।

अलग-अलग किरदार निभा रहे बाबिल

बाबिल ने अभी इंडस्ट्री में ज्यादा काम नहीं किया है। लेकिन अपने छोटे से करियर में ही वो अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा रहे हैं। बाबिल चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते हैं। जो उनकी फिल्मोग्राफी में देखने को भी मिलता है। जिसमें 'कला' से लेकर 'द रेलवे मैन' और 'लॉगआउट' जैसे अलग-अलग किरदार शामिल हैं।

किन-किन किरदारों में टीवी और फिल्मों में अब तक नजर आईं मौनी रॉय, अब भूतनी बन डराएंगी अभिनेत्री

इन दिनों मौनी रॉय अपनी आगामी भूतिया फिल्म द भूतनी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। मौनी ने अपनी शानदार एक्टिंग और स्टाइल से दर्शकों का दिल जीता है। अब मौनी फिल्म द भूतनी में भूतनी बनकर डराने वाली ह। इस फिल्म से पहले किन-किन किरदारों से मौनी ने जीता फैंस का दिल....

मौनी के किरदार

मौनी रॉय ने टीवी और फिल्मों में हर तरह के किरदार निभाए, चाहे वह पौराणिक सती हो, थ्रिलर नागिन, रोमांटिक हीरोइन, या फिर निगेटिव रोल। आज मौनी न सिर्फ अपनी एक्टिंग, बल्कि अपने स्टाइल और डांस के लिए भी जानी जाती हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'द भूतनी' का भी फैंस को बेसब्री से इंतजार है। देवों के देव महादेव से घर-घर में पहचानी गईं मौनी मौनी ने 2007 में एकता कपूर के मशहूर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से अपने करियर की शुरुआत की। इसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया, जो दर्शकों को खूब पसंद आया। मौनी को असली पहचान 2011 में 'देवों के देव महादेव' से मिली, जिसमें उन्होंने सती का पौराणिक किरदार निभाया। यह किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि मौनी घर-घर में मशहूर हो गईं।

नागिन सीरियल से मिली पहचान

2015-2016 में 'नागिन' सीरियल में मौनी ने शिवन्या और शिवांगी की दोहरी भूमिका निभाई। इस थ्रिलर ड्रामे में उनकी नागिन की भूमिका को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया, और यह शो टीआरपी में टॉप पर रहा।

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में जुनून के किरदार से मिली प्रसिद्धि

2022 में 'ब्रह्मास्त्र' में मौनी ने पहली बार निगेटिव किरदार जुनून का रोल निभाया। इस किरदार को दर्शकों ने बहुत पसंद किया और उनकी वर्सेटिलिटी की तारीफ हुई। मौनी ने 'तुम बिन 2' और KGF: चैप्टर 1' में आइटम नंबर भी किए, जो काफी चर्चित रहे।

द भूतनी

द भूतनी एक आगामी हॉरर फिल्म है। जिसे सिद्धांत सचदेव ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट और संजय दत्त ने किया है। फिल्म में मौनी रॉय के अलावा संजय दत्त, सनी सिंह और पलक तिवारी नजर आएंगी। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह फिल्म को 1 मई, 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म का नाम द वर्जिन ट्री रखा गया था, लेकिन अब फिल्म का नाम द भूतनी है।

आध्यात्मिक गुरु की भूमिका में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

एक्टर विक्रांत मैसी जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। अपनी नई फिल्म में वो आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म व्हाइट एक ग्लोबल थ्रिलर होगी, जो कोलंबिया 52 साल लंबे चले खूनी गृहयुद्ध को दिखाई। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे श्री रविशंकर ने उसे सुलझाया था। फिलहाल कोलंबिया में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जोरों से चल रहा है। इसी साल जुलाई से इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। व्हाइट को जानेमाने ऐड फिल्ममेकर मंटू बासी डायरेक्टर करेंगे। फिल्म को पठान, वार जैसी फिल्म बनाने वाले सिद्धार्थ आनंद, महावीर जैन और पीसक्राफ्ट पिक्चर्स के साथ मिलकर बनाएंगे। खबरों की मानें तो श्री रविशंकर के रोल के लिए विक्रांत ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। श्री रविशंकर की तरह दिखने के लिए एक्टर ने अपने वजन और बालों को बढ़ाया है। इसके अलावा वो आध्यात्मिक गुरु की बॉडी लैंग्वेज जानने के लिए उनसे से मिले थे और उनके वीडियो देखते हैं। बता दें कि 12वी फेल और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके एक्टर विक्रांत मैसी ने पिछले साल दिसंबर में एक्टिंग से ब्रेक लेने का ऐलान किया था। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी थी। एक्टर ने अपने पोस्ट में लिखा था अब घर वापस जाने का समय आ गया है।

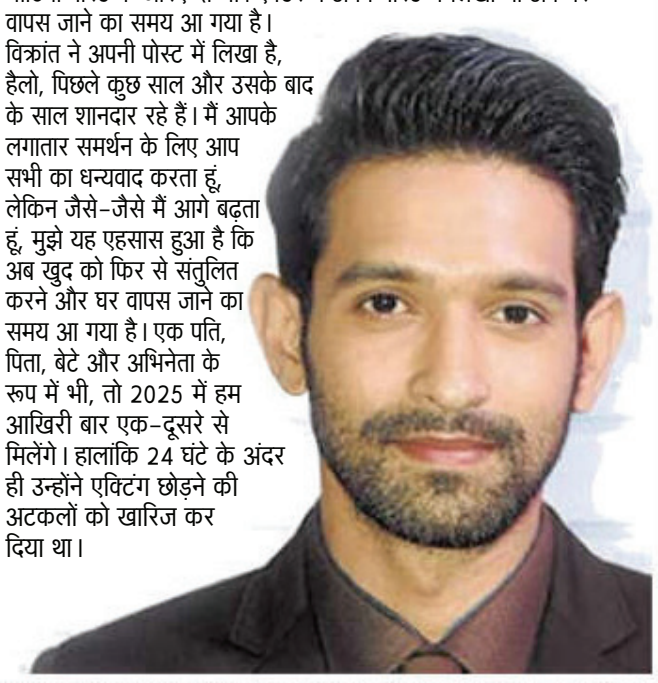

विक्रांत ने अपनी पोस्ट में लिखा है, हैलो, पिछले कुछ साल और उसके बाद के साल शानदार रहे हैं। मैं आपके लगातार समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद करता हूं, लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता हूं, मुझे यह एहसास हुआ है कि अब खुद को फिर से संतुलित करने और घर वापस जाने का समय आ गया है। एक पति, पिता, बेटे और अभिनेता के रूप में भी, तो 2025 में हम आखिरी बार एक-दूसरे से मिलेंगे। हालांकि 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने एक्टिंग छोड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया था।

हिट 3 के अमेरिका प्रीमियर में शामिल होंगी श्रीनिधि शेट्टी

नानी की बहुप्रतीक्षित फिल्म हिट 3 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसका फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म भारत में एक मई को रिलीज होगी। वहीं, अमेरिका में इसे 30 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा। फिल्म के निर्माता और कलाकार फिल्म के प्रमोशन में जोरों शोरों से लगे हुए हैं। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी बहुत जल्द अमेरिका के लिए रवाना होंगी। रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री 30 अप्रैल को अमेरिका के टेक्सास में सिनेमार्क वेस्ट प्लानो सिनेमा के ऑडी 10 में दोपहर 1.30 बजे फिल्म का शो देखेंगी। अमेरिका में फिल्म की एडवांस्ड बुकिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि हिट 3 ने उत्तरी अमेरिका में 175K डॉलर की टिकट बिक्री कर ली है। 'हिट 3' का निर्देशन सैलेश कोलानू द्वारा किया गया है, जिसमें साउथ सुपरस्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ श्रीनीधि शेट्टी भी हैं।

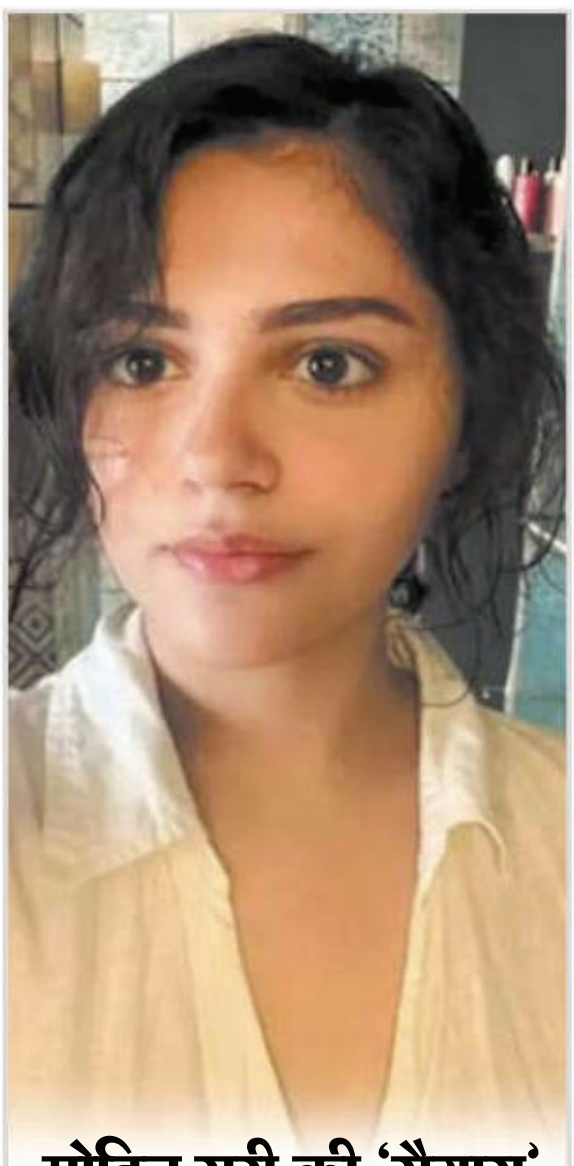

मोहित सूरी की 'सैयारा' में चंकी पांडे के भतीजे के साथ आएंगी नजर

मंगलवार को मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' के रिलीज डेट और इसके लीड एक्टर्स की आधिकारिक घोषणा हुई। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड भूमिका में नजर आएंगे। सभी की निगाहें अहान और अनीत पर टिकी हैं। जानते हैं आखिर कौन हैं अनीत पड्डा?

कहां से की अभिनय की शुरुआत?

अनीत पड्डा ने काजोल, विशाल जेठवा और प्रियामणि की 'सलाम वेंकी' से अपने अभिनय की शुरुआत की। साल 2022 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अनीत ने नंदिनी की भूमिका निभाई थी। साल 2024 में, उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग 'गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, जहां उन्होंने रूही आहूजा की भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी

22 साल की अनीत सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रहती हैं। हालांकि, वह अपने काम से जुड़े अपडेट लगातार साझा करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 36.3K फॉलोअर्स हैं।

कब रिलीज होगी 'सैयारा'?

मोहित सूरी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' को लेकर काफी लंबे समय से चर्चा चल रही थी। फिल्म के लीड एक्टर को लेकर तरह-तरह की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी बहुत कम अपडेट सामने आई थी। 22 अप्रैल को इसके निर्माताओं ने मुख्य इसके रिलीज की घोषणा की। रोमांटिक फिल्में पसंद करने वालों को इसके लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फिल्म 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आशिकी 2, हमारी अधूरी कहानी और हाफ गर्लफ्रेंड जैसी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आखिरी बार उन्होंने 'एक विलेन रिटर्न्स' का निर्देशन किया था।

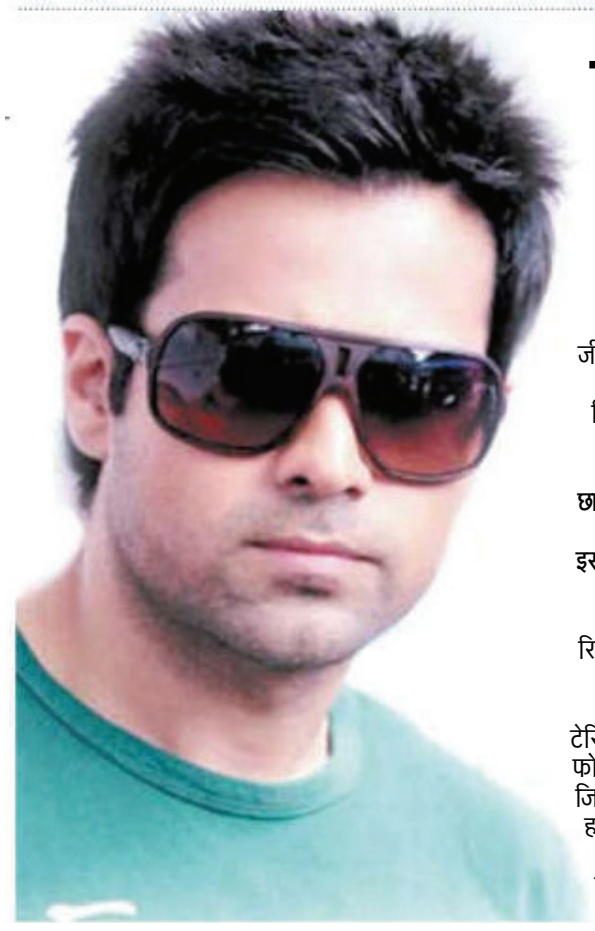

एक कॉमेंट के कारण 1 सेकंड में सब खत्म हो जाता है

इमरान हाशमी ने बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के प्रदर्शन, सोशल मीडिया के प्रभाव और व्यक्तिगत जीवन पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सिनेमा में दर्शकों की पसंद बदल रही है और फिल्म निर्माताओं को संस्कृति से जुड़ी कहानियों पर ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया पर संवेदनशीलता को देखते हुए, वे सतर्क रहते हैं।

छावा को अपवाद मान लिया जाए तो दिग्गज स्टार्स भी बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा नहीं दिखा पाए। इसकी वजह क्या है? ऐसे में इस बार लोगों को आपसे बहुत उम्मीद है?

दर्शकों की उम्मीद जायज है मगर हर फिल्म की रिलीज से पहले नर्वसनेस तो होती ही है। ये आज से नहीं है, ये तो 2003 से हैं, जब मैंने अपनी पहली फिल्म फुटपाथ की थी। मगर अब सिनेमा बहुत टेस्टिंग हो गया है। ओटीटी आ गया है, लोगों के पास फोन है और एक अलग तरह का डिस्ट्रैक्शन है। फिर जिस तरह की फिल्में हमारे यहां बन रही हैं, वे विषय हमारी संस्कृति और जड़ों से जुड़ी हुई नहीं हैं, तो ये सच है कि हम इस चीज से जूझ रहे हैं। मैं दुआ करता हूं कि हम जल्द से जल्द इस चीज से उबरें। मगर इतना जरूर कहूंगा कि हम लगातार मेहनत करें और अच्छी फिल्में बनाने की कोशिश करें। वैसे तो हर फिल्मकार एक अच्छी नियत से फिल्म बनाता है। कोई भी अपनी फिल्म का कचरा तो नहीं करना चाहता। मगर ऑडियंस की नब्ज पकड़ना आसान नहीं होता। सिनेमा हॉल में जाने के बाद फिल्म दर्शक की हो जाती है।

आपने जब शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना ज्यादा एक्टिव नहीं था। मगर आज आपकी हर हरकत पर नजर रहती है, तो क्या आप अपने सोशल मीडिया को लेकर अलर्ट रहते हैं?

इसलिए तो मैं इतना ज्यादा ट्वीट नहीं करता। (मुस्कुराते हैं) मुझे तो लगता है कि आजकल बहुत ही संवेदनशील माहौल हो गया है। आज हर किसी के पास अपनी राय रखने का एक जरिया है। समझ में नहीं आता कि लोग ज्यादा सेंसेटिव हो गए हैं या फिर बहुत जल्दी नाराज होने लगे हैं। कोई भी किसी भी बात पर बुरा मान सकता है, तो बहुत ही न्यूट्रल ढंग से चीजों को कहना पड़ता है। पॉलिटिकल, रिलीजियस या फिर निजी भावनाएं हों, कोई भी आहत हो सकता है, तो फिर उस स्पेस में जाने से बचना पड़ता है। आप अगर इसमें से कुछ भी व्यक्त करते हैं, तो आप पर उसकी उल्टी प्रतिक्रिया हो सकती है। एक बैशिंग और एग्रेसिव कैंसल कल्चर भी शुरू हो गया है, जिसके चलते एक कमेंट के कारण आपने इतने सालों में जो कुछ बनाया है, उसे नेस्तनाबूत किया जा सकता है। सब खत्म किया जा सकता है। फिर उसके बाद आपके लिए वापसी का रास्ता नहीं बचता। यह कुछ सेकंड्स में सब जगह फैल जाता है और आप फिनिश हो जाते हो, तो आपको बहुत अलर्ट रहना पड़ता है।

क्या यही कारण है कि आप अपनी पत्नी (परवीन शहानी) और बेटे (अयान) को सोशल मीडिया से दूर रखते हैं?

वे तो खुद सोशल मीडिया पर आना नहीं चाहते और मेरी पहली फिल्म से मेरी पत्नी लाइमलाइट से दूर रही हैं। मेरी पत्नी चूंकि इस इंडस्ट्री से नहीं हैं तो वे नहीं चाहती कि लोग उन्हें सार्वजनिक रूप से पहचानें। इन सब चीजों से दूर रहकर वे अपनी आजादी का आनंद लेती हैं। कुछ महीनों पहले वे कुछ खरीददारी कर रही थीं तो लोगों ने उन्हें पहचान लिया और ये बात उनको बिलकुल भी अच्छी नहीं लगी। वे इन चीजों के लिए नहीं बनी हैं। वे आर्टिस्ट नहीं हैं। उनकी इस बात की मैं बहुत इज्जत करता हूं। जहां तक बेटे की बात है, वह कॉलेज में है और मीडिया या सोशल मीडिया पर उसका इतना ध्यान नहीं है। वह अपनी पढ़ाई पर फोकस कर रहे हैं और इससे डिस्कनेक्टेड हैं, जो अच्छा ही है। मुझे अपने घर में ऐसा माहौल नहीं चाहिए कि घर के नीचे पपाराजी खड़े हों। यह बहुत आर्टिफिशियल लगता है। हम लोग इसे अपनी लाइफस्टाइल में शामिल नहीं करते।

सभी जानते हैं कि आप एक फाइटर पिता रहे हैं। बेटे अयान को कैंसर होने पर आपने भी एक जंग लड़ी, अब पलटकर देखने पर सबसे ज्यादा स्ट्रेंथ क्या लगती है?

मैं इसके लिए ज्यादा क्रेडिट नहीं लेना चाहूंगा क्योंकि हर मां-बाप का यही फर्ज होता है। यह जंग तो लड़नी ही थी। हम सभी में वह हिम्मत होती है कि उस जंग से पार पाना है। मैं आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं तो मैं ही नहीं मेरी बीवी भी यही सोचती है कि हमने उन हालात में हिम्मत कैसे बटोरी। मगर मैं क्या हर पैरंट यही करेगा। आपके सामने जब ऐसे हालत होते हैं, तो उसका सामना करने के साथ-साथ उम्मीद रखना जरूरी होता है।

क्या आप आज भी सीरियल किसर की इमेज से जूझ रहे हैं क्योंकि आप बीते सालों में चीट इंडिया, चेहरे और बार्ड ऑफ ब्लड के बाद ग्राउंड ज़ीरो जैसा गंभीर और अर्थपूर्ण विषय कर रहे हैं?

कितना खुश था मैं कि आपने मुझे सीरियल किलर (टाइगर 3) बना दिया। आपने कुछ तो अलग बोला। मैंने कभी किसी एक इमेज को नहीं भुनाया। मैंने काफी अलग-अलग तरह की फिल्में कीं, मगर वह सीरियल किसर वाली एक इमेज थी, जिसे हम परोस रहे थे। वह इमेज ऑडियंस की नजर में बन गई थी। मगर मैंने हमेशा विविधरंगी भूमिकाएं करने की कोशिश की। मेरे जो फैंस हैं, उन्होंने मेरे अलग तरह के काम को मान्यता भी दी है। मुझे आज भी सीरियल किसर कहने वाले शायद वह लोग हैं, जिन्होंने मेरे एक्सपिरिमेंटल रोल्स नहीं देखे। मेरी वह छवि तो काफी पहले टूट गई थी। अदाकार के रूप में मैं बहुत अलग-अलग फिल्में करना चाहता हूं और ग्राउंड जीरो भी एक अलग किस्म की फिल्म है।

बाईक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौके पर ही मौत, खैरथल से राजनोता भट्टे पर काम करने जा रहा था

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर। क्षेत्र के नारायणपुर रोड़ पर मंगलवार की रात को एक अज्ञात वाहन ने बाईक सवार युवक को टक्कर मार दी और फरार हो गया। बाईक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सुबह 5 बजे आने जाने वाले लोगों ने देखा तो एम्बुलेंस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची निशुल्क रोटी बैंक एम्बुलेंस की सहायता से बानसूर उप जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना मंगलवार की रात को नारायणपुर रोड़ पर चतरपुरा के पास किरो की ढाणी के पास की है। जहां खैरथल के रहने वाले कमल प्रजापत (25) पुत्र लखमीचंद प्रजापत बाईक पर सवार होकर खैरथल से राजनोता भट्टे पर काम करने जा रहा था। इसी दौरान किरो की ढाणी के पास रात को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौत हो गई। युवक रात भर सड़क पर पड़ा रहा। सुबह करीब 5 बजे आने जाने वाले लोगों ने पड़ा देखा तो एम्बुलेंस से बानसूर उप जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक के परिजनों को सूचना दी गई है। सूचना पर परिजन बानसूर पहुंचे जहां शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया।

बानसूर में कृषक साथी योजना लाभार्थी कार्यक्रम आयोजित, विधायक ने 12.90 लाख के चैक सौंपे

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर ।कृषि उपज मंडी में बुधवार को मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना को लेकर लाभर्थियों को सहायता राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक देवीसिंह शेखावत ने 13 लाभार्थी किसानों को सहायता राशि के चैक वितरित किए गए। विधायक देवीसिंह शेखावत ने बताया कि आज केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर किसानों और व्यापारियों को जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने बताया कि आज खेती की कार्य करते समय काल का शिकार हुए और कृषि मंडी में दुर्घटना के शिकार हुए किसानों जिनमें 13 लोगों को 12.90 लाख रूपये के सहायता राशि के चैक दिए गए है। इस दौरान किसानों की समस्याओं को सुना गया ओर मंडी सचिव को किसानों की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उन्होंने बताया कि किसानों को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिले और दुर्घटना बीमा की जानकारी दी जाए। इस दौरान विधायक देवीसिंह शेखावत, एसडीएम अनुराग हरित, महावीर बालासिया, राजू सब्जी मंडी अध्यक्ष, मंडी सचिव आशीष यादव सहित किसान ओर व्यापारी मौजूद रहे।

बानसूर में विशाल रोजगार मेला, युवाओं को मिलेगा सुनहरा अवसर

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर। क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। पंचायत समिति बानसूर के परिसर में आगामी 4 अप्रैल को एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा, जिसका उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। पंचायत समिति प्रधान सुभाष सुमन यादव ने इस पहल की जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र में बढ़ती बेरोजगारी को ध्यान में रखते हुए इस रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में एफ सीसी क्लच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और होंडा कॉम्प्लेक्स टपूकड़ा (भिवाड़ी) जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी और योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार लेंगी। इन कंपनियों में काम करने के इच्छुक युवाओं के लिए 8 घंटे की ड्यूटी का समय निर्धारित किया गया है और वेतन 15,000 से 16,000 रुपये प्रति माह तक रहेगा। इस रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई और स्नातक की योग्यता रखने वाले सभी इच्छुक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं और अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। यह क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बेहतरीन मौका है, जिसका उन्हें अवश्य लाभ उठाना चाहिए।

जलदाय विभाग के अधिकारियों ने हरसौरा में पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया, बंजारा बस्ती में टैंकर सप्लाई करने के निर्देश

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर ।क्षेत्र के उप तहसील हरसौरा में बुधवार को जलदाय विभाग के अधिकारी बंजारा बस्ती में पेयजल व्यवस्था की जानकारी लेने पहुंचे और बंजारा बस्ती के लोगों से पेयजल व्यवस्था की जानकारी ली गई। इस दौरान ऐईएन विजय मिरवाल और जेईएन ललतेश गुर्जर ने बंजारा बस्ती के लोगों ने पेयजल व्यवस्था की जानकारी ली गई। इस दौरान अधिकारियों ने बंजारा बस्ती में पानी की टंकी और खराब वॉल को सही करवाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति को लेकर अधिकारियों से शिकायत की गई। जिसको लेकर ग्राम पंचायत सरपंच को रोजाना दो टैंकर पानी बंजारा बस्ती में सप्लाई करने के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान हरसौरा बस स्टैण्ड पर टंकी निर्माण को लेकर शिकायत की गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वाशन दिया कि जल्द ही टंकी का निर्माण किया जाएगा।

धर्मसभा से श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन सनातन बोर्ड की मांग

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा प्रतापगढ़: नगर में चल रही भागवत कथा का जय जय श्रीराम के गगनभेदी गूंज के साथ समापन हुआ। भगवान श्रीकृष्ण के यदुवंशी संतानों ने मुनि की परीक्षा की। तब मुनि से श्राप मिला।-मूसलं कुळनाशनम् - यदुवंश का मुनि के श्राप से नाश हुआ द्य इसके बाद पूर्व जन्म का बाली जो इस जन्म में शिकारी था, उसका तीर श्रीकृष्ण के पैर में लगा और श्रीकृष्ण वैकुंठ लोक में पधार गए । इसी प्रसंग के साथ कथा का विश्राम हुआ द्य इसके बाद 'धर्मसभा हुई - जिसमें श्रीकृष्ण जन्म स्थान की जन्म भूमि-मथुरा की मुक्ति के लिए आन्दोलन की घोषणा की गई। धर्मसभा में वृन्दावन से आए देवकीनंदन ठाकुर, दिल्ली से आए जैन संत लोकेश मुनि,ओजस्वी वक्ता गोतम खद्दर, आदि ने भाग लिया द्य इसी धर्म सभा में देश भर के सनातन धर्म के बन्धुओं के लिए श्रीकृष्णजन्म भूमि मुक्ति आंदोलन को प्रारंभ करने की घोषणा करते हुए देवकीनंदन ठाकुर ने कहा- हमारे श्रीकृष्ण की जन्मभूमि हम लेकर रहेगे। मुक्त कराएंगे। इसी सभा में भारत सरकार से सनातन बोर्ड के गठन की मांग की। धर्मसभा में लोकेश मुनि ने जैनधर्म को हिन्दू धर्म का ही एक अंग बताया द्य कहा? कि हमारे 22 वे तीर्थकर तो श्री कृष्ण के भाई थे। जैन धर्मी सभी सनातन और संस्कारों की पालना करते हैं। गोतम खद्दर ने अपने ओजस्वी उद्?बोधन में युवाओं को सनातन् धर्म के लिए तन-मन-धन से सनातन धर्म के लिए समर्पिति होने का आव्हान किया।धर्म सभा में अभयदास महाराज ने कहा-हम व्यवसाय रूप से कुछ भी कर्म करते हो किन्तु धर्म के रूप में, श्रीराम की जय बोलने वाले सभी हिन्दू भाई है। कोई भेद नहीं है।सभा में देवकी नंदन ठाकुर ने सबको शपथ दिलाई कि जिस धर्म में जन्म लिया, जिस धर्म में जीवन जीया, उसी धर्म को मानते हुए, उसी धर्म में मरना है। उसीधर्म के लिए मरना है। ये जानकारी चन्द्र शेखर मेहता ने दी और बताया कि अभयदास महाराज से कहा- कुछ लोगों का कहना है कि - आदिवासी हिन्दू नहीं है। जो धर्म-परिवर्तन कराने वाले लोगों की साजिश है। वाल्मिकी समाज को देखो कितने आघात के बाद भी ये संघर्ष करते हुए, ये सनातन धर्म की सेवा कर रहे हैं। समापन उद्?बोधन में बाल्मिकी समाज,धर्म प्रेमी जनता युवा और महिलाओं की धर्म कार्य के लिए सराहना की। विप्र फाउंडेशन के प्रकल्पो सेवाओं,रक्तदान के कार्यों को सराहनीय बताया। सनातन धर्म उत्सव समिति द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए महाराज ने ओमप्रकाश ओझा की सराहना कर सम्मानित किया द्य श्रीमती कला ओझा का भी सम्मान किया गया द्य इस के बाद महाराज ने भगवान केशवराय जी के दर्शन किए। मंदिर में पं. श्री हरिशुक्ल ने अभयदास महाराज को माला पहनाकर शाल ओढा कर श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

रोहिताश बोहरा सोडावास को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाने पर ग्रामीणों ने किया स्वागत

मरूधर विशेष

मुंडावर (रमेश चंद) सोडावास कस्बे के किसान परिवार से जुड़े किसान रोहिताश बोहरा को किसान महापंचायत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का बनाए जाने पर कस्बे के व्यापारियों व ग्रामीणों ने सामुदायिक केंद्र पर साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदीप शेरावत आदर्श महासभा महासचिव ने कहा कि एक गांव से किसान को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया जाना बहुत गर्व की बात है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट का ग्रामीणों ने आभार जताया। इस मौके पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष शीशराम राम चौधरी, डा. राहुल बाबूलाल पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष, वीरेंद्र सुमन जिला उपाध्यक्ष आदर्श जाट महासभा, प्रदीप शेरावत आदर्श जाट महासभा महासचिव, बाबूलाल जोशी विप्र समाज अध्यक्ष , ब्रह्मप्रकाश शर्मा,दयाराम शर्मा,धीरज शर्मा, लालाराम बोहरा, भारत सुनील गुप्ता, सरजीत मास्टर, नरेंद्र, चेतराम, हीरालाल बोहरा, रामसिंह उपाध्यक्ष व्यापार मंडल, घनश्याम सैनी, मानसिंह ओला, अनिल सोडावास, कैलाश ख्याली पटेल, घनश्याम बोहरा, राजू शीला मुंडावरिया सहित अनेकों ग्रामीण स्वागत कार्यक्रम में मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में वन्यजीवों के लिए उम्मीद की किरण: बुजी की ढाणी के ग्रामीणों की अनूठी पहल

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर । क्षेत्र के ग्राम पंचायत सबलपुरा स्थित बुजी की ढाणी के ग्रामीणों ने गर्मी के मौसम में वन्यजीवों के लिए एक सराहनीय पहल की है। तपती धूप और सूखे जलाशयों के बीच, ग्रामीणों ने बेजुबान जानवरों की प्यास बुझाने का बीड़ा उठाया है। दरअसल, बुजी की ढाणी के पास स्थित नदी में पानी पूरी तरह से सूख गया है, जिसके कारण वन्यजीव पानी की तलाश में भटकने को मजबूर हैं। इस भीषण गर्मी में पानी न मिलने से इन जीवों के जीवन पर संकट मंडरा रहा था। ग्रामीणों ने इस स्थिति को भांपते हुए तत्काल कदम उठाया। ग्रामीण सुभाष यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने निजी बोरिंग से नदी में पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। उनका लक्ष्य अगले पांच दिनों में लगभग 5 लाख लीटर पानी नदी में पहुंचाना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्य केवल पांच दिनों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे लगातार जारी रखा जाएगा ताकि वन्यजीवों को पीने के पानी की कमी महसूस न हो। इस नेक कार्य में कई ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर अपना सहयोग दिया है। बाबूलाल स्वामी, रोशन स्वामी, परसादीलाल स्वामी, विष्णु यादव और ओमप्रकाश यादव जैसे ग्रामीणों ने इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बुजी की ढाणी के ग्रामीणों की यह पहल निश्चित रूप से अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। यह दिखाता है कि थोड़ी सी संवेदनशीलता और एकजुट प्रयास से हम न केवल अपने आसपास के पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि बेजुबान जीवों को भी जीवनदान दे सकते हैं। इस गर्मी में, जब पानी की हर बूंद कीमती है, इन ग्रामीणों का यह कार्य मानवता और करुणा का एक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

एसीबीईईओ उमेश जैन हुए सेवानिवृत्त, विदाई समारोह हुआ आयोजित

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय कठूमर में कार्यरत एसीबीईईओ उमेश जैन के सेवानिवृत्ति पर स्टाफ द्वारा विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। उमेश जैन ने बताया कि वे राजकीय सेवा में 38 वर्ष सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत हुए हैं। इस अवसर पर कार्यालय के सभागार में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वक्ताओं ने उनके कार्यकाल, व्यवहार, कुशल नेतृत्व, प्रबंधन की तारीफें कर सराहना की। वहीं उन्होंने बताया कि कठूमर उपखंड पर अपनी सेवा काल में विविध पदों पर रहे जैसे प्रधानाचार्य, सीडीपीओ, बीईईओ, एसीबीईईओ आदि पदों पर उन्होंने बखूबी कार्य किया और उच्च मानक स्थापित किये। सेवानिवृत्ति के मौके पर उनके परिजन में पिताजी अभय कुमार जैन, भाई राकेश चंद जैन, धर्मपत्नी इंदिरा जैन, पुत्री मेघा जैन, दामाद अंशुल जैन और उनकी बहन भी उनके साथ रही। इस मौके पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र मीणा, एसीबीओ रोशन लाल , प्रधानाचार्य लक्ष्मण राजपूत, प्रधानाचार्य मनोज कुमार शर्मा, प्रिंसिपल किरण बाला, भूमिदत्त शर्मा, पुरेंद्र सोनी, मनोज शर्मा, सतीश पाराशर,आराम सिंह, शंकर मीना, सहित समस्त अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। मंच संचालन भूमि दत्त शर्मा सेवानिवृत शिक्षक ने किया।

परशुराम जन्मोत्सव पर शोभायात्रा

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: ब्राह्मण समाज के आराध्य देव भगवान परशुराम का जन्मोत्सव उत्साह से मनाया गया। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज की ओर से बुधवार को शोभायात्रा निकाली गई, जिसका कई जगह स्वागत किया गया। सुबह 9 बजे मांगलिक भवन से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में भगवान परशुराम के जयकारों के साथ बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाजबंधु शामिल लोग शामिल हुए उत्साही युवा शोभायात्रा में परशुरामजी के जयकार लगाते चल रहे थे।शोभायात्रा मांगलिक भवन से शुरू होकर सब्जी मंडी, सरदार पटेल मार्ग,गांधी चौक,नहेरू मार्ग,बिहारी मंदिर होते हुए मांगलिक भवन पहुंची। हरेंद्र पाठक ने परशुराम के बारे में विस्तार से जानकारी दी।समाज संगठन को मजबूत करने और एकजुट रहने का आह्वान किया। भगवान परशुराम अमर हैं, जब तक धरती है, वे विराजमान रहेंगे।मांगलिक भवन पर सामूहिक आरती का आयोजन किया गया।भगवान परशुराम की आरती का लाभ छोटी सरवा निवासी देवू भाई जोशी और मेनारिया ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्माने लिया।शोभायात्रा में पगड़ी व दुपट्टा पहने युवा,मंगल वेशभूषा में महिलाएं,बैंडबाजे, परशुराम रथ मुख्य आकर्षण रहे।इस शोभायात्रा मे चंद्रशेखर शर्मा,देवुभाई जोशी सरवा,एडवोकेट हरेंद्र पाठक,हरिश्चंद्र जानी,अरुण जोशी,महेश जोशी,पंडित हेमेंद्र पंड्या,अशोक जोशी,अजय जोशी, देवशंकर पंड्या,ललित त्रिवेदी,निखिल त्रिवेदी,राजेश पंड्या,रजनीश ठाकुर,प्रवीण त्रिवेदी महिला शक्ति रेखा जोशी अंबिका पाठक,कुसुम त्रिवेदी,सीमा जानी,प्रीति ठाकुर,मनीषा व्यास,कंचन त्रिवेदी,दीपशिखा त्रिवेदी,सुनीता जोशी, ममता शर्मा,लीना ठाकुर सहित कई महिला शक्ति शामिल थी।

पर्यावरण संरक्षण के लिये प्लांटेशन ड्राईव महत्वपूर्ण कदम : मित्तल

अक्षय तृतीया पर युवा रेवॉल्यूशन का ट्री प्लांटेशन ड्राईव का आयोजन, 51 पेड़ लगाये

मरूधर विशेष

कोटपूतली, अक्षय तृतीया के अवसर पर बुधवार को सामाजिक संगठन युवा रेवॉल्युशन द्वारा ट्री प्लांटेशन ड्राईव का आयोजन किया गया। इस मौके पर बानसूर रोड़ गोकुल सरोवर स्थित पार्क में तेजस दास महाराज के सानिध्य में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष दिनेश मित्तल ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और हमें उनकी सुरक्षा और संरक्षण के लिये निरंतर प्रयास करना चाहिये। उन्होंने युवा रेवॉल्यूशन की इस पहल की सराहना करते हुये कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर पार्क में विभिन्न किस्म के 51 पेड़ लगाये गये एवं उनकी देखभाल की जिम्मेदारी युवा रेवॉल्युशन द्वारा ली गई। युवा रेवॉल्युशन के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने बताया कि यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है। तेजस दास महाराज ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने युवा रेवॉल्युशन की इस पहल को समर्थन देने की घोषणा करते हुये कहा कि वह इस तरह के आयोजनों में हमेशा साथ देंगे। जेपी कोटिया ने आयोजन की सराहना करते हुये कहा कि युवा रेवॉल्युशन की यह पहल निश्चित रूप से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। इस दौरान गौरव शर्मा, राजवीर गुर्जर, मनोज शेखावत, अजीत यादव, दीपक स्वामी, ज्ञानी सिंह, पूरण सैन, आलोक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

ब्राह्मण समाज मुंडावर के नेतृत्व में मनाई परशुराम जयंती

मरूधर विशेष

मुंडावर (रमेश चंद) मुंडावर विप्र समाज अध्यक्ष विरेन्द्र पण्डित सरपंच जसाई के नेतृत्व में भगवान परशुराम जयंती बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्ण जोशी चिरूनी ने की। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान परशुराम जी पूजा अर्चना कर दीप जलाकर मिठाई का भोग लगाया। कार्यक्रम में आए विप्र समाज के लोगों ने बाबा परशुराम के जयकारे लगाकर जयंती मनाई। कार्यक्रम में लक्ष्मीनारायण शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, यादवेंद्र उपाध्याय, रामबाबू शर्मा, अशोक शर्मा, अभयसिंह एडवोकेट, रामपाल शर्मा, नागराज एडवोकेट, राजेन्द्र पंडित, एडवोकेटअरुण शर्मा सुनिल दत शर्मा, बिशम्बर दयाल शर्मा, रविन्द्र शर्मा, सुभाष शर्मा एडवोकेट, बृजमोहन शर्मा, बालकृष्ण शर्मा एडवोकेट, राजेन्द्र पाण्डेय,ओमप्रकाश डीलर,चेतन शर्मा हरिओम शर्मा,कपिल शर्मा, भारत कौशिक, आलोक उपाध्याय, अनुराग शर्मा, अवदेश भारद्वाज सहित विप्र समाज के लोग मौजूद रहे।

खैरथल-तिजारा जिले के जाट बहरोड की बेटी लक्षिता महलावत ने सऊदी अरब में रचा इतिहास, युथ एशियन चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

देर शाम गांव पहुंचने पर किया सम्मान

मरूधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) सऊदी अरब में आयोजित युथ एशियन चैंपियनशिप की डिस्क थ्रो स्पर्धा में राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के जाट बहरोड़ गाँव की बेटी लक्षिता महलावत ने देश का मान बढ़ाते हुए कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर जब लक्षिता बुधवार देर शाम को अपने पैतृक गाँव जाट बहरोड पहुंची तो पूरे गांव में जश्न का माहौल देखने को मिला।डीजे की धुनों पर नाचते युवाओं ने उनका भव्य स्वागत किया। पारंपरिक रीति से साफा बाँधकर और मालाएं पहनाकर लक्षिता का सम्मान किया गया। स्वागत समारोह में मेघवाल समाज और ग्रामीण एकजुट होकर उपस्थित रहे।ग्रामीणों ने लक्षिता की इस ऐतिहासिक सफलता को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जाट बहरोड बस स्टैंड से जगह-जगह स्वागत किया गया। जाट बहरोड के आराध्य देवता बाबा भगवान दास के मंदिर पर पहुंचकर सफलता की खुशहाली में मत्था टेका। मंदिर परिसर पर पूर्व विधायक मनजीत चौधरी एवं सरपंच सुरेंद्र चौधरी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस अवसर पर एकलव्य फाउंडेशन जाट बहरोड़ के अध्यक्ष निहाल मास्टर, कोषाध्यक्ष अभय सिंह, सचिव महेन्द्र, उत्तम कुमार, ब्रिजेश गुरुजी, सोनू सेठजी, पवन कुमार पोनी, ललित कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अभिभाषक संघ ने एडीजे सरिता धाकड के स्थानांतरण होने पर दी भावभीनी विदाई

न्यायिक मजिस्ट्रेट राघवी गोविल का दिल्ली न्यायिक सेवा में चयन होने पर किया अभिनंदन

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी कठूमर। अभिभावक संघ कठूमर द्वारा एडीजे सरिता धाकड के स्थानान्तरण होने पर तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट राघवी गोविल के दिल्ली न्यायिक सेवा में चयन होने पर बुधवार को विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह की अध्यक्षता अभिभाषक संघ कठूमर के उपाध्यक्ष बलवीर सिंह चौधरी ने की। समारोह में दोनो अधिकारियों का शॉल उढाकर स्मृति चिन्ह भेंटकर व माल्यार्पण कर सम्मान कर भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता तेजसिंह राठी ने दोनो अधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और भावुक हो गए। इस अवसर पर सुभाष कठूमर, सुभाष अर्रूआ, तेजसिह राठी, रामजीलाल शर्मा, रुपकिशोर शर्मा, कृपा दयाल गुर्जर, नीरज शर्मा, भीमसिहं राणा, सतवीर गुर्जर देवेन्द्र यादव, सतेन्द्र शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह, सुमनदेवी सहित सभी अधिवक्ता उपस्थित रहे। मंच संचालन एडवोकेट ओमवीर सिहं चौधरी ने किया। इधर अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश कार्यालय कठूमर के सभी स्टाफ ने न्यायाधीश सरिता धाकड़ को स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत कर सम्मानपूर्वक विदाई दी

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732